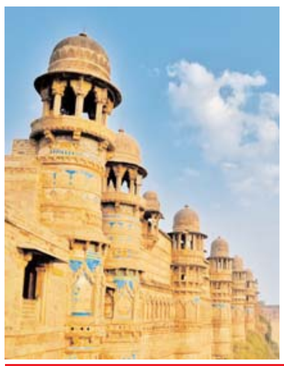

MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 144 | ग्वालियर, 3 फरवरी शनिवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

भाजपा नेता ने चंपई सोरेन के झारखंड सीएम बनने का श्रेय पीएम मोदी को दिया

नई दिल्ली ।झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने शुक्रवार को झामुमो उपाध्यक्ष चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद पर पदोन्नत करने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय दिया. बाउरी ने कहा कि वंशवाद की राजनीति के खिलाफ बने माहौल के कारण चंपई सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बन सके. गौरतलब है कि, कथित भूमि घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में घंटों की पूछताछ के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन के पद से हटने के कुछ दिनों बाद चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. बता दें कि दोनों आपस में संबंधित नहीं हैं...

बाउरी ने कहा कि चंपई सोरेन को मौका इसलिए मिला क्योंकि चार साल पहले हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी सरकार कई कानूनी पचड़ों में फंस गई थी. वहीं दूसरा महत्वपूर्ण कारण यह है कि पीएम मोदी ने बार-बार कहा है कि वंशवाद की राजनीति, देश की राजनीति के लिए दीमक की तरह है. देश में वंशवाद

की राजनीति के खिलाफ बने माहौल के कारण चंपई सोरेन सीएम बने हैं.

नई गठबंधन सरकार हासिल करेगी विश्वास मत –गौरतलब है कि, चंपई सोरेन को रांची के राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने पद की शपथ दिलाई. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम और राजद नेता सत्यानंद भोक्ता ने भी मंत्री पद की शपथ ली. मंत्री आलमगीर आलम ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि चंपई के नेतृत्व वाली नई गठबंधन सरकार 5 फरवरी को विश्वास मत हासिल करेगी.

खरीद-फरोख्त की आशंका बरकरार–उन्होंने बताया कि, राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा बहुमत साबित करने के लिए शक्ति परीक्षण पांच फरवरी को दो दिवसीय विधानसभा सत्र के पहले दिन होगा. इस बीच, शक्ति परीक्षण से पहले खरीद-फरोख्त की आशंका के बीच सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों को विमान से हैदराबाद ले जाया गया है.

कोई जोखिम नहीं उठा सकते-वहीं पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि, उन्हें सरकार का बहुमत साबित करने के लिए 10 दिन का समय दिया गया था. इस दौरान कोई जोखिम नहीं उठा सकते, क्योंकि भाजपा झामुमो के विधायकों से संपर्क करने की कोशिश कर सकती है.

...जो तुम बोलो वही सही खड़गे के बयान पर पीएम मोदी की छूटी हंसी

नई दिल्ली ।कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी के सामने देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू की तारीफों में कसीदे पढ़ें... मौका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर शुक्रवार को सदन में चर्चा का था, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे समेत तमाम दिग्गज नेता मौजूद थे. इस दौरान खड़गे ने कहा कि, आजादी के बाद पंडित जी ने शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया था. उनके द्वारा तैयार की गई योजनाओं के तहत ही, प्राइमरी स्कूल, हाई स्कूल, कॉलेज, आईआईटी जैसे संस्थान खोले गए थे, जिनका लाभ हर भारतीय को मिलना चाहिए...

कोई भी सरकार जांच नहीं कर रही है-खड़गे ने एससी-एसटी ओबीसी आरक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा कि, एससी-एसटी बच्चों के आरक्षण को कम करने का प्रयास किया जा रहा है. ओबीसी बच्चों के हक का 27 फीसद आरक्षण का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है. इसपर कोई भी सरकार जांच नहीं कर रही है. गौरतलब है कि, खड़गे के इस वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी भी संसद में मौजूद थे. इसके साथ ही भरी संसद में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने हिमांशु बाजपेयी की एक कविता पढ़ी, जिसके बोल थे- न खाता न बही है, जो तुम

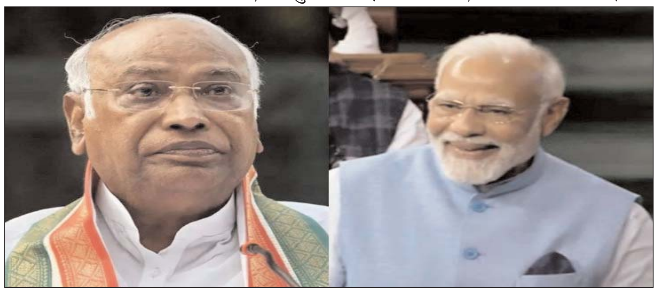

बोलो, वही सही है, न्यूज ये छप रही है, सब कुछ बिल्कुल सही है, सच पर एफआईआर क्यों? रासुका की मार क्यों? झूठ की जय-जयकार क्यों? निष्ठुर है सरकार क्यों? मगर मेरे शहर/देश के लोग यह सवाल पूछ रहे हैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुस्कुराने लगे-गौरतलब है कि, खड़गे ने लोकसभा चुनाव की संभावनाओं पर भी ऐसा बयान दिया, जिससे तमाम भाजपाई सीटें थपथापने से खुद को रोक नहीं पाए. खड़के ने बोला कि, बहुमत आपका है. पहले ही 330 सांसद हैं, अब तो 400 पार का नारा लग रहा है, जिसके बाद तमाम सांसदों में जोश भर गया, साथ ही खड़के के इस बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुस्कुराते नजर आए.

ममता का कांग्रेस पर हमला, कहा- 300 सीटों पर लड़कर क्या 40 सीटें भी ला पाएंगी?

नई दिल्ली–इंडिया एलायंस में फूट देखी जा रही है. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है. ममता बनर्जी का कहना है कि देश में 300 से ज्यादा सीटें लड़कर कांग्रेस को 40 सीटें भी नहीं मिल पाएंगी. मुझे यह पता चला है कि बंगाल में कांग्रेस आ गई है. उन्होंने मुझे कभी इस बात की सूचना नहीं दी है. उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इलाहाबाद, राजस्थान, मध्य प्रदेश की यात्रा करें. ममता ने कहा, उन्होंने कांग्रेस को 300 सीटों पर लड़ने को कहा था, मगर उन्होंने एक नहीं सुनी. अब वे राज्य में सबसे पहले मुस्लिम वोटरों में हलचल मचाने आए हैं. ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि अगर वे 300 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो 40 सीटें भी जीत पाएंगे या नहीं. मैं उन्हें बंगाल में दो सीटें दे रही थी और उन्हें जिता भी देती. मगर वे और अधिक चाहते थे. मैंने कहा, ठीक है तो फिर सभी 42 पर चुनाव लड़ो. तो इसे अस्वीकार कर दिया! इसके बाद से उन्होंने कोई बातचीत नहीं की है.ममता ने कहा कि वे बंगाल में कार्यक्रम करने आए हैं, लेकिन इंडिया अलायंस के सदस्य के तौर पर उन्हें इसकी सूचना तक नहीं दी. मुझे प्रशासनिक सूत्रों इस बात की जानकारी मिली कि उन्होंने डेरेक को फोन करके अनुरोध किया कि रैली को गुजरने की इजाजत दी जाए. इसके बाद फिर बंगाल क्यों आएं? हिम्मत है तो यूपी, बनारस, राजस्थान, मध्य प्रदेश में भाजपा को हराकर दिखाएं.

देश तोड़ने की कोई बात करेगा तो मैं सहन नहीं करूंगा, डीके सुरेश के बयान पर बोले खरगे .

कांग्रेस सांसद डीके सुरेश के दक्षिण भारत के लिए अलग राष्ट्र के बयान को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है. बीजेपी मामले को लेकर निशाना साधते हुए कह रही है कि राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं. इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश को तोड़ने वाली किसी भी बात को हम सहन नहीं करेंगे.मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा,आज मैंने टीवी पर सुना कि उन्होंने (डीके सुरेश) बोला कि मैंने ऐसा नहीं कहा, लेकिन कहा है तो प्रिविलेट कमेटी को मामले में काम करने दो. मैं बोलना चाहूंगा कि कोई भी देश तोड़ने की बात करेगा तो मैं सहन नहीं करूंगा. ऐसे में नेता कांग्रेस का हो या फिर दूसरी पार्टी का हो. मैं कहता हूं कि कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक देश एक है.उन्होंने आगे कहा, देश के लिए इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने जान दी है. ऐसी पार्टी (कांग्रेस) कभी देश को तोड़ने की बात नहीं कर सकती. वहीं बीजेपी ने कहा कि डीके सुरेश को संसद में रहने का अधिकार नहीं है. दरअसल, कांग्रेस नेता डीके सुरेश ने गुरुवार (1 फरवरी) को कहा कि अगर विभिन्न करों से एकत्रित धनराशि के वितरण के मामले में दक्षिणी राज्यों के साथ हो रहे अन्याय को ठीक नहीं किया गया तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने के लिए मजबूर हो जाएंगे. बीजेपी ने क्या कहा-बीजेपी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि डीके सुरेश भारत को तोड़ने की बात कर रहे हैं, उनके नेता राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं÷ उन्होंने आगे कहा कि उन्हें (डीके सुरेश) को एक मिनट भी सांसद बने रहने का अधिकार नहीं है, उन्होंने संविधान का उल्लंघन किया हैरविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी हम पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन भारत को तोड़ने संबंधी डीके सुरेश की असंवैधानिक टिप्पणियों पर कुछ नहीं कह रहे हैं.

प्रशांत किशोर बोले- राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का कोई तुक नहीं है, समझाया क्यों?

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा इन दिनों पश्चिम बंगाल में है. मणिपुर से शुरू हुई ये यात्रा असम होते हुए पश्चिम बंगाल पहुंची फिर बिहार में एंट्री की. इसके बाद फिर से पश्चिम बंगाल में है. वहीं, मशहूर राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने यात्रा की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि इसका कोई लॉजिक नहीं है.इंडिया टुडे के साथ हुई बातचीत में उन्होंने कहा, ÷मुझे नहीं पता कि उनको एडवाइज कौन कर रहा है लेकिन मुख्यालय छोड़कर यात्रा पर जाने का ये उपयुक्त समय नहीं हो सकता.÷ उन्होंने कहा कि इस यात्रा को चुनाव से 6 महीने पहले या फिर एक साल पहले आयोजित किया जाना चाहिए था. साथ ही पीके ने कहा कि ये समय रणनीतिक सहयोगियों से मिलने, संसाधन जुटाने, उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने और रोजमर्रा में आने वाली चुनौतियों का समाधान निकालने का था.

'मणिपुर से मुंबई की यात्रा कोई तर्क नहीं'-इसके अलावा इंडियन एक्सप्रेस के साथ हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की मणिपुर से लेकर मुंबई तक की इस यात्रा का कोई तर्क नहीं दिख रहा है. उन्होंने कहा, ÷ऐसे समय में जब उन्हें राजनीति के केंद्र में होना चाहिए तब वो यात्रा में व्यस्त हैं. क्षेत्रों का दौरा करना ठीक है लेकिन हेडक्वार्टर छोड़ना कोई बुद्धिमानी वाला कदम नहीं है. मुझे नहीं पता कि इस तरह की एडवाइज उन्हें दे कौन रहा है.÷

राहुल गांधी की न्याय यात्रा–14 जनवरी को मणिपुर में शुरू हुई %भारत जोड़ो न्याय यात्रा 67 दिनों में 6,713 किमी की दूरी तय करेगी, जो 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी

अंतरिम बजट और मोदी सरकार का राजनीतिक प्रयोग नयी परंपरा को चुनावी पहलू से समझने की ज़रूरत

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को लोक सभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 से जुड़े अंतरिम बजट को पेश किया. चुनावी साल होने के कारण पूर्ण बजट नहीं पेश किया गया है. अंतरिम बजट को मोदी सरकार ने बहुत ही कुशलता से लोक सभा चुनाव, 2024 के लिए एक उपकरण के तौर पर इस्तेमाल किया है.यह अंतरिम बजट था, इसलिए मोदी सरकार आर्थिक तौर से बड़ी-बड़ी घोषणा नहीं कर सकती थी. हालाँकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों ने अंतरिम बजट के मौक़े को ज़रूर राजनीतिक लाभ के नज़रिये से बीजेपी के पक्ष में भुनाने की भरपूर कोशिश की है.

अंतरिम बजट का राजनीतिक पहलू है महत्वपूर्ण-हम सब जानते हैं कि यह अंतरिम बजट नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट था. आने वाले कुछ महीनों में मोदी सरकार के दस साल पूरे होने वाले हैं. इस साल अप्रैल-मई में आम चुनाव भी निर्धारित है. मोदी सरकार और बीजेपी की लगातार तीसरे कार्यकाल पर भी नज़र है. संसद का मौजूदा बजट सत्र 17वीं लोक सभा

का आख़िरी सत्र भी है. ऐसे में इस बार के अंतरिम बजट का महत्व सिर्फ़ आर्थिक तौर से ही नहीं रह जाता है, बल्कि इसकी प्रासंगिकता राजनीतिक तौर से ज़्यादा हो जाती है.

अंतरिम बजट और मोदी सरकार की चुनावी रणनीति-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों इस बात से ब-ख़ूबी वाकिफ़ थे कि अंतरिम बजट में आर्थिक तौर से ऐसी घोषणा के लिए अधिक स्कोप नहीं है, जिससे देश के आम लोगों को आकर्षित या खींचा जा सके. फिर भी इस बजट के ज़रिये सरकार चाहती थी कि देश के लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसे को लेकर, बीजेपी के प्रति समर्थन को लेकर एक स्पष्ट संदेश जाए. अगर राजनीतिक पहलू से देखें, तो मोदी सरकार इसमें कामयाब हुई है.अंतरिम बजट में क्या है, क्या नहीं, किसको क्या मिला..किस क्षेत्र पर फोकस रहा..अगर इनसे संबंधित विमर्श को थोड़ी देर के लिए साइडलाइन कर दें, तो मोदी सरकार ने पूरी कोशिश की है कि देश के मतदाताओं में ये भरोसा जाए कि अगली सरकार भी वही बना रहे हैं.मोदी सरकार की नज़र उन मतदाताओं पर रहती है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, चुनाव के दिन वोट डालने के लिए मतदान केंद्र ज़रूर जाते हैं. यहाँ पर एक बात समझने की ज़रूरत है कि अभी भी आम चुनाव में 30 से 35 फ़ीसदी के आस-पास मतदाता वोट डालने नहीं जाते हैं. इस लिहाज़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी की नज़र....वोट डालने वाले 65 फ़ीसदी के आस-पास जो मतदाता है

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने क्यों जताई फिर से पार्षद बनने की इच्छा

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने रहे हैं. शुक्रवार (2 फरवरी) को मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर नगर पालिका के नए परिषद हॉल के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे. इस मौके पर अपने संबोध में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विधानसभा से लौटकर फिर से पार्षद बन जाऊं. उनके इस बयान ने सभी को चौंका दिया.दरअसल, शुक्रवार (2 फरवरी) को इंदौर नगर पालिका के नए परिषद हॉल का मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उद्घाटन किया. इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजवर्गीय भी मौजूद थे. कैलाश विजवर्गीय ने सदन को संबोधित करते हुए निगम की जमकर प्रशंसा की. अपने संबोधन के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि निगम के सदन को देखकर लग रहा है कि विधानसभा से लौटकर फिर से पार्षद बन जाऊं. उन्होंने कहा कि यह परिषद बहुत सुंदर बनी है. जितनी सुंदर ये परिषद हॉल की बिल्डिंग बनी है, उतनी सुन्दर चर्चा भी होना चाहिए.

पार्षदों को कैलाश विजयवर्गीय ने दी सलाह–एक शिक्षक की तरह कैलाश विजयवर्गीय ने पार्षदों से बातचीत करते हुए कहा, ÷अब यहां पढ़ कर आना और अच्छी चर्चा करना.÷ उन्होंने पार्षदों को सलाह देते हुए कहा कि अध्यनशील पार्षद बने. अपने साथ मौजूद तुलसीराम सिलावट और अन्य वरिष्ठ नेताओं को देखकर उन्होंने कहा कि हम और यह सब जिस कुर्सी पर बैठे वहां ईमानदारी से काम किया. कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं. हम लोहे की कुर्सी टेबल पर बैठते थे और सदन में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते थे. उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश और नगर के विकास लिए जो भी जरुरत होगी मैं तत्परता से करुंगा.

नगर निगम के नई बिल्डिंग के सीएम ने दिये 50 करोड़–मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर नगर निगम सभा को संबोधित किया. सीएम मोहन यादव ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को तोहफा देते हुए नई बिल्डिंग के लिए पचास करोड़ रुपये देने की घोषणा की है. सीएम मोहन यादव ने कहा कि इंदौर को एक के बाद एक गौरव मिलते जा रहे हैं. इंदौर को और भी बहुत कुछ मिलेगा. मध्य प्रदेश देश का नंबर वन राज्य बनेगा.

जबलपुर में लोकायुक्त ने रिश्वत लेते हवलदार को रंगे हाथ दबोचा, निलंबित

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में एक पुलिस के हेड कांस्टेबल को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. लोकायुक्त संगठन के जरिये गुरुवार (1 फरवरी) को गोराबाजार थाने में पदस्थ हवलदार उर्मिलेश ओझा को 40 हजार की रिश्वत लेते हुए दबोचा गया. बाद में हवलदार के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे मुचलके पर रिहा कर दिया गया है. इस मामले में रिश्वत लेते पकड़े गये हवलदार को एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन हाजिर होने का आदेश दिया गया है.लोकायुक्त एसपी संजय साहू मुताबिक भोंगाद्वार, रिज रोड निवासी संदीप यादव ने लोकायुक्त संगठन को शिकायत देकर बताया था कि साल 2019 में उसने राजेन्द्र जायसवाल से जमीन का सौदा किया था. उस दौरान संदीप को उक्त

व्यक्ति के जरिये कुछ रकम एडवांस के तौर पर दी गयी थी, लेकिन बाद में यह सौदा रद्द हो गया था. सौदा रद्द होने के बाद संदीप यादव ने राजेन्द्र जायसवाल को एडवांस के तौर पर ली गई रकम वापस नहीं लौटाई. रकम वापस नहीं मिलने पर राजेन्द्र ने गोराबाजार थाने में संदीप यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी.

हवलदार रिश्वत के लिए दे रहा था धमकी–इस मामले में की जांच हवलदार उर्मिलेश ओझा को सौंपी गयी थी. जहां आरोपी हवलदार के जरिये इस मामले को रफा-दफा करने के लिए लिए एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही थी. शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया था कि आरोपी हवलदार के जरिये संदीप को लगातार धमकाया जा रहा था. इस दौरान हवलदार उर्मिलेश झा ने संदीप को जांच के नाम पर परेशान किया जा रहा था. उसे धमकी दी जा रही थी कि ली हुई रकम लौटाने के साथ ही उसे एक लाख रुपये चाहिए. हवलदार ने कहा कि रकम नहीं मिलने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर देगा.

लोकायुक्त ने रंगे हाथों दबोचा–परेशान होकर हवलदार के जरिये रिश्वत मांगे जाने की शिकायत संदीप यादव ने लोकायुक्त संगठन से कर दी. इसके बाद लोकायुक्त टीम ने संदीप को हवलदार से बातचीत करने को कहा और सौदा 40 हजार में तय हुआ. उसके बाद गुरुवार (1 फरवरी) की शाम संदीप रिश्वत की रकम लेकर थाने पहुंचा और हवलदार को रकम देने के लिए बाहर बुलाया. थाने के बाहर जैसे ही संदीप ने हवलदार को रिश्वत दी लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया.

माखन दास एकेडेमी में डिबेट कंपटीशन हुआ संपन्न

माखन दास एकेडेमी में तीन दिवस की डेबिट कंपटीशन का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिन कक्षा 9 वी व कक्षा 8 के छात्र- छात्रों ने एजुकेशन ,बिजनेस एंड गवर्नमेंट जॉबविषय पर डेबिट हुई जिसमें बच्चों ने बड़ी रुचि दिखाई व बढ़ चढ़ गए हिस्सा लिया एवं कक्षा 9वी विजेता रही दूसरे दिन कक्षा 6 व 7 में इंपॉर्टेंस ऑफ गेम एंड इंपॉर्टेंस ऑफ स्टडी विषय पर डिविट हुई जिसमें कक्षा 6वी विजता रहा तृतीय व अंतिम दिवस पर कक्षा 5 व 4 में पॉलिटिक्स एवं पॉवर्टी विषय पर डेबिट हुई इसमें कक्षा 4 विजयी रहा डेविट के समापन पर माखन दास एकेडेमी के संस्थापक प्रदीप शुक्ला ने बच्चों को बताया की नए-नए विषय पर डिबेट करने से हमारे नॉलेज में वृद्धि के साथ-साथ नए विषय में रुचि पैदा होती है इस अवसर पर माखन दास एकेडेमी के प्रचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा

किसी भी गुन्डे मबाली आसामाजिक तत्वों को बक्सा नही जाये डा. असित यादव एसपी भिण्ड

केशब पडित जी अम्बाह

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक श्री डा. असित यादव ने मात्र 10 दिन पूरे किये शान्ति प्रिय चुनाव व चोरी अबैध शराब रेत पर तो अकुश लगाया ही है कई अबैध हथियार बनाने बालो व हथियारो के जखीरा सहित पकडकर जेल की शलाखो में डाल दिये है भिण्ड समस्त जिले प्रभारियो से कडी चेताबनी देते हुऐ कहा है कि पुलिस रणनीत बनाकर टीम भाबना से कार्य करे महिलाओ पर होरहे अपराधो को पुलिस गम्भीरता से ले और इसकी रोकथाम के लिये पुलिस तत्तपरता से कार्यबाही करे, महिलाओ के मामलो मे पुलिस संबेदन शीलता के आधार पर कार्य करे व महिला संबधी पेडिग अपराधो मे तत्काल आरोपियो की गिरफ्तारी सुनिस्चित की जाये घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी मोके पर पहुचकर बास्तबिक स्थिति का भी

अबलोकन करे सत्ययता पहचाने पर कितना भी बडा आदमी क्यो न हो किसी भी गुण्डे मबाली व आसामाजिक तत्बो को बख्सा नही जाये पुलिस कर्मी अपने इलाके मे गुण्डौ पर प्रभाबी अकुश बनाये रखे और थाना प्रभारी भी अपने थाना इलाके मे नियमित पेट्रोलिग गस्त करे जनता के शिकायती आबेदन पर पहले जाँचकरे, जाँच मे अगर घटना की पुष्टी होती है तो अपराध दर्ज करे, गुमशुदी के प्रकरणो मे तीब्र गति से पतारसी करे महिलाओ तथा गम्भीर अपराधो के प्रकरणो का निराकरण समय सीमा में तत्तकाल करे! और पुलिस अधिकारियो व थाना प्रभारी ओ को निर्देश दिये थाने मे आनेबाले फरियादियो की बात संबेदनशीलता से सुनी जाये लम्बित अपराधो का समय सीमा मे निकाल किया जाये तथा स्थाई बारन्टियो एव फरार अपराधियो की गिरस्तारी के प्रयास तेज किये जाये फरार, स्थाईवॉरंटो की तामीली का प्रतिसत बढाने के भी कढे निर्देश दिये साथ ही सम्पूर्ण जिले मे पुलिस सडको पर नजर आये ताकि अपराध प्रबित्ति के लोग सडको पर न दिखे और नागरिक भयमुक्त बाताबरण मे जीबन ब्यतीत कर सके पुलिस अधीक्षक जी ने कहा अच्छे कार्य करने बाले पुलिस कर्मियों को पुरूस्कृति किया जायेगा तथा लापरबाह करम चारियो के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्य बाही की जाबेगी थाना प्रभारी और पुलिस बल अपने थाना इलाके मे फरारी इनामी बदमाशो की तत्काल धरपकड करे व बिश्बनीय मुखबिरो की सूचना पर तत्काल कार्यबाही सुनिस्चित करे जेल से रिहाई होने बाले बदमाशो के ऊपर पैनी नजर रखी जाये पुलिस अधीक्षक ने कहा लापरबाही कतई बर्दास्त नही की जाबेगी।

अच्छी शिक्षा के लिए बेहतर स्वास्थ्य जरूरी : डा.डी.के शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे भिण्ड । शिक्षा और सुरक्षा तभी बेहतर होगी जब स्वास्थ्य बेहतर होगा। इसके लिए पौष्टिक भोजन, सफाई और नियमित चेकअप जरूरी है। नियमित व्यायाम के साथ बच्चे अगर स्वास्थ्य संबंधी आदतें अपना लें तो पूरा जीवन फायदा मिलेगा।अच्छी शिक्षा के लिए बेहतर स्वास्थ्य जरूरी है ये बात शासकीय गर्ल्स स्कूल में आयोजित स्वास्थ सेमिनार में उपस्थित छत्राओ को बताते हुए जिला मलेरिया अधिकारी डा. डीके शर्मा ने कही। श्री शर्मा ने बच्चों को मौसम के अनुकूल कपड़े पहनने, स्वच्छता संबंधी आदत सीखने व जंक फूड की जगह घर में बना ताजा भोजन करने की सलाह दी। डा देवेंद शर्मा ने कहा कि अच्छी शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य बेहतर होगा। मां-बाप व शिक्षक बच्चों की भलाई के लिए ही प्रयास करते हैं। बच्चों को इसे समझते हुए अपनी पढ़ाई और बेहतर स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।इससे पहले विद्यालय की प्राचार्य स्नेहलता भदौरिया, शिक्षिका श्रीमति रेखा शिवहरे,मीनू सनी ने डा.शर्मा का पुष्प गुच्छ भेंट का स्वागत किया। इस अवसर विद्यालय की सैकड़ो छात्राएं उपस्थित रही।

खरगोन पुलिस द्वारा अवैध हथियारो का निर्माण कर सप्लाय करने वाले के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

अवैध हथियार सप्लाई करने वाला 01 आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 08 नग अवैध देशी पिस्टल एवं 02 देशी कटटे व 02 जिंदा पिस्टल राउण्ड जप्त

आरोपी के विरुद्ध हरियाणा राज्य मे हत्या व हत्या के प्रयास जैसे धाराओ मे गंभीर अपराध है पंजीबद्ध

जप्तशुदा पिस्टलों,कटटे व राउण्ड की कुल कीमत 1,60,200/- रुपये

भारी मात्रा मे अवैध हथियार बनाने की सामग्री जप्त

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) श्री राकेश गुप्ता एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री चन्द्रशेखर सोलंकी द्वारा अवैध हथियारों के निर्माण एवं अवैध खरीदी-बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह व अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल, अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया व समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । इसी तारतम्य मे थाना गोगावां की अवैध हथियारो का निर्माण कर सप्लाय करने वालो माफियाओ के विरुद्ध कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण -दिनांक 02/02/24 को थाना गोगावां पर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, कुछ लोगो के बीच

मे हाथ से बनी हुई अवैध पिस्टल एवं कारतूस की खरीद फरोख्त होने वाली है । सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अनुविभागीय अधीकारी श्री राकेश आर्य एवं थाना गोगांवा निरीक्षक प्रवीण आर्य के निर्देशन मे पुलिस टीम मुखबिर के बताए स्थान पर पहुची । पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर अपनी उपस्थिति छुपाकर देखा तो 01 व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस टीम व्दारा घेराबंदी कर पकडा । पकड़ मे आए व्यक्ति से उसका नाम पूछने पर उसने अपना नाम मोहन पिता अनोकसिंग टकराना जाति सिकलीकर उत्र 27 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावा का बताया । उक्त व्यक्ति की तलाशी लेने पर हाथ मे लिऐ झोले की तलाशी लेने पर 08 नग अवैध देशी पिस्टल,02 देशी कटटे एवं 02 जिंदा पिस्टल राउण्ड मिले । उक्त पिस्टल रखने के संबंध मे दोनों से लाइसेंस व दस्तावेज के बारे मे पूछने पर कोई वैध दस्तावेज नहीं होना बताया ।

उक्त आरोपी को थाने लाकर पुछताछ करने पर उसने अवैध पिस्टल ग्राम सिगनुर मे स्वयं व्दारा बनाकर बैचने हेतु लेकर आना बताया गया है । आरोपी को गिरफ्तार माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है । आरोपी का पुलिस रिमान्ड लिया जाकर अवैध हथियार के संबंध मे पूछताछ की जाएगी ।

गिरफ्तारशुदा आरोपी

1.मोहन पिता अनोकसिंग टकराना जाति सिकलीकर उत्र 27 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावा

पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही-आरोपी मोहन पिता अनोकसिंग टकराना जाति सिकलीकर उम्र 27 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावा के विरुध्द अपराध क्र 27/24 धारा 25(1) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया ।

गिरफ्तारशुदा आरोपी के आपराधिक रिकार्ड मोहन पिता अनोकसिंग टकराना जाति सिकलीकर उत्र 27 साल निवासी सिगनुर थाना गोगावा

थानाअपराध क्र धारा

1रोहतक हरियाणा 352/23 धारा 302,307,147,148,149,120 बी भादवि, 25,27 आर्म्स एक्ट2.सापला जिला रोहतक हरियाणा 494/23 307,34 भादवि, 25,27 आर्म्स एक्ट

पुलिस टीम-उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग भीकनगाँव श्री राकेश आर्य, एवं थाना प्रभारी गोगांवा श्री करणसिंह परमार, निरीक्षक.प्रवीण आर्य के नेतुत्व मे उनि सुदर्शन कालोसिया,सउनि अमजद खांन, प्रआर. 668 दिनेश मण्डलोई,आर.1009 जिते‍?द्र कौरव, आर. 70 राहुल, आर. 758 संतोष डाबी, आर.17 अखिलेश, आर. 907 रावे‍?द्र, आर.566 आशीष, आर.645 धमे‍?द्र यादव, आर. 97 सत्यम, आर.905 राहुल पाली म.आर. 986 सुगना राजपुत, मआर.964 शिवकुमारी बघेल एवं सायबर सेल टीम खरगोन का विशेष योगदान रहा ।

16 फरवरी को रामघाट मण्डलेश्वर में निर्झरणी महोत्सव का आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नर्मदा जयंती के अवसर पर आगामी 16 फरवरी 2024 को रामघाट मण्डलेश्वर में निर्झरणी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के दौरान आमंत्रित दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने इस आयोजन के लिए अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी है और निर्देशित किया है कि आयोजन के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाए।निर्झरणी महोत्सव आयोजन के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मण्डलेश्वर को नोडल अधिकारी बनाया गया है तथा तहसीलदार महेश्वर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी मण्डलेश्वर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश्वर, मण्डलेश्वर एवं करही पाडल्या तथा जनपद पंचायत महेश्वर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अपने क्षेत्र के अंतर्गत इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

किसान ने चने की फसल में ड्रोन से किया कीटनाशक का छिड़काव

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणास्त्रोत

विगत दिनों जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए थे। इस दौरान शिविरों में कृषि विभाग द्वारा फसलों में दवाईयों के छिड़काव के लिए ड्रोन का प्रदर्शन किया गया था। इसी से प्रेरित होकर महेश्वर विकासखण्ड के ग्राम मोगावा के किसान गुलाबचंद पाटीदार ने आज 02 फरवरी को अपने खेत में लगी चने की फसल में ड्रोन का उपयोग कर कीटनाशक का छिड़काव किया है। उन्होंने जिले के अन्य किसानों को भी अपने खेतों में लगी फसलों में ड्रोन का उपयोग कर कीटनाशकों का छिड़काव करने की सलाह दी है। किसान गुलाबचंद पाटीदार ने बताया कि ड्रोन से कीटनाशक का छिड़काव करने पर बहुत सुविधा हो जाती है। इससे कम समय में अधिक रकबे में कीटनाशक का छिड़काव किया जा सकता है। इससे समय और श्रम की बचत होती है। किसान गुलाबचंद पाटीदार अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं।

सबका साथ सबका विकास ही मोदी का मिशनः चौधरी

जीडिमेटला वडेर के पदाधिकारियों ने केसाराम चौधरी का किया सम्मान

दैनिक पुष्पाजंली टुडे हैदराबाद। मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के विधायक केसाराम चौधरी हैदराबाद पहुंचने पर सीरवी समाज जीडिमेटला वडेर में चौधरी का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। जीडिमेटला वडेर के अध्यक्ष मांगीलाल काग, सचिव नारायणलाल बर्फा, सह-सचिव प्रेम पवांर, अर्जुन लाल बर्फा, केराराम, मांगीलाल सोलंकी ने केसाराम चौधरी का माला साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में विधानसभा

संयोजक पंकज चौधरी का समाज की ओर से साफा माला पहनाकर स्वागत किया गया। केसाराम चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की योजनाओं के बारे जानकारी दी। चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ लेकर चलने वाली सरकार हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा आपकी सेवा में तत्पर रहेगी। सभा से पूर्व चौधरी ने आईमाताजी के दर्शन कर माता के चरणों में पुष्प अर्पित किये। इस कार्यक्रम में सीरवी समाज के अनेक साथगणमान्य उपस्थित रहें।

विकास की दिशा में मील का पत्थर

दैनिक पुष्पाजंली टुडे सूरत ›अंतरिम बजट देश के चहुंमुखी विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। केन्द्रीय बजट में देश के अन्नदाता, गरीब, महिलाओं युवाओं पर फोकस किया गया है, जो कि देश की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को मूर्तरूप देने के लिए भविष्य के रोडमैप को बजट में दर्शाया गया है, जो के केन्द्र सरकार की दूरदर्शिता को दर्शाता है। बजट › में गरीब, नारी शक्ति, युवा शक्ति और किसान समेत सभी वर्गों का कल्याण करने वाला सर्वहितैषी और सर्व समावेशी है।सीरवी समाज सूरत सचिव भंवरलाल भायल

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 05 फरवरी से होगा किसानों का पंजीयन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

01 मार्च तक किया जा सकेगा पंजीयन

किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने तथा बिचौलियों व दलालों के शोषण से बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा रबी सीजन में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के इंतजाम किये है। विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 05 फरवरी से 01 मार्च 2024 तक जिले की सहकारी समितियों, एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर एवं किसान ऐप के माध्यम से किसान पंजीयन कराया जायेगा। किसानों से पंजीयन केन्द्रों में निर्धारित समयावधि में गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराने की अपील की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री भारत सिंह जमरे ने बताय कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत कार्यालय, एवं तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर किसानों का निःशुल्क पंजीयन किया जाएगा। इन केन्द्रों पर किसान प्रातः 07 बजे से रात्रि 09 बजे तक शासकीय कार्य दिवसों में अपना पंजीयन करा सकते हैं। किसान अपने एन्ड्रायड मोबाइल से एमपी किसान एप के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित सायबर कैफे पर सशुल्क पंजीयन की व्यवस्था है।

भीतरवार घाटेगांव क्षेत्र का एतिहासिक, राजा नल का किला, रानीघाटी

किले में श्री राम जानकी मंदिर बन सकता है भव्य मंदिर और भव्य पर्यटक स्थल

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। विश्व हिंदू परिषद डबरा जिले के पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्री कैलाश जी भार्गव के द्वारा बताते हुए शासन प्रशासन एवं भाजपा सरकार से व्यवस्था की मांग करते हुए कहा है कि जिले का एतिहासिक, राजा नल का किला..रानीघाटी.किले में श्री राम जानकी का मंदिर, हनुमान जी की प्रतिमा,नजदीकही विशाल गौशाला, गौशाला के व्यवस्थापक संत श्री माखन बाबा.. जिनका मोबाइल नंबर 761072 1582 है ,गौशाला ,मंदिर ,किला तथा जंगल में झरनों के दर्शन हेतु इनसे संपर्क करना अत्यंत आवश्यक है. वे व्यवस्था कर देते हैं,.जंगल में नजदीक ही गमुख झरने के साथ, एक छोटा ,एक बड़ा, कुल तीन

रोमांचक झरने हैं..दर्शनीय. किले का अधिकांश भाग खंडहर, जहां विद्यालय ,अस्पताल गौशाला कार्यालय, वन विभाग का कार्यालय, आदि कुछ भी बनाया जा सकता है, जो बनाया जाना चाहिए .गौमुख झरने तक सीढ़ियां हैं .उसके बाद छोटे झरने फिर बड़े झरने तक भूल भुलैयों वाला, कंटीली झाड़ियों का रास्ता है .यहां तक चौड़ा ,सुरक्षित रास्ता बनाया जाना अत्यंत आवश्यक है . रोजगार युक्त विकास संभव होगा.पहाड़ के निचले हिस्से से बड़े झरने तक आम रास्ता बनाया जाना चाहिए. साथ ही रानी घाटी से नीचे उतरने वाली सड़क को भी चौड़ा किया जाकर खतरा मुक्त बनाया जाना चाहिए .रानी घाटी के नजदीक ही माता खोह, मकरध्वज, और लखेश्वरी मंदिर है. रानी घाटी की .भितरवार से तथा उधर घाटीगांव से करीब 20 ..20किलोमीटर की दूरी है.

मध्य प्रदेश में बढ़ते अपराध गंभीर चिंता का विषय है : डॉ. गोविंद सिंह

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कहा कि मुख्यमंत्री बनने के साथ-साथ गृह विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी आपके पास होने से प्रदेश की जनता को विश्वास था कि आपके नेतृत्व में प्रदेश में कानून - व्यवस्था का राज्य स्थापित होगा । डॉ. सिंह ने कहा कि देखने में आया है,कि भिण्ड जिले की कानून-व्यवस्था पुलिस प्रशासन के पास न होकर सत्तापक्ष के विधायकों एवं भाजपा नेताओं के हवाले कर दी गई है । भिण्ड जिले की पुलिस अपनी कुर्सी बचाए रखने की गारण्टी के साथ लहार से भाजपा विधायक के समक्ष समर्पण कर चुकी है।डॉ. सिंह ने कहा कि लहार थाने के अपराध क्र. 301/2023 में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को झूठे प्रकरण में धारा 307, 327 में गंभीर अपराधों में गिरफ्तार कर जेल में डाला गया है। अभियुक्त दीपक शर्मा के पैर में फेक्चर होने से न्यायालय के आदेश के बाद भी पुलिस द्वारा चिकित्सा न कराकर जेल में डाल दिया गया । विधानसभा चुनाव के बाद लहार क्षेत्र अपराधियों का अड्डा बन चुका है। दिनांक 07/01/2024 को लहार थाने से दो कि.मी. दूरी पर मोटर सायकल पर सवार तीन अपराधियों ने रामसिया सोनी पुत्र बंटी सोनी के हाथ में गोली मारकर लगभग 15 लाख रूपए के सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी लूट लिए । ग्राम छिदी थाना लहार में दलित समाज के 04 व्यक्तियों पर धारा 307

में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया तथा शेष दलितों पर तीन-तीन हजार का ईनाम घोषित करा दिया गया। जबकि उसी ग्राम के दलितों पर हमला करने वाले दबंगों जिन पर धारा 307 सहित कई संगीन धाराओं में अपराध पंजीबद्ध है, वे सभी खुलेआम पुलिस संरक्षण में घूम रहे हैं, उनके विरूद्ध तीन-तीन हजार का ईनाम घोषित न करने का औचित्य समझ से परे है ।डॉ. गोविंद सिंह ने पत्र में लिखा कि दिनांक 20/01/2024 को वार्ड नं. 9 लहार जिला भिण्ड में दलित समाज के लोगों द्वारा हफ्ता वसूली न देने पर अधिया बंदूक (देशी कट्टा) से हमला करने वालों में से एक अपराधी को गिरफ्तार कर शेष को छोड़ दिया गया । तथा दलित समाज के द्वारा लिखाई एफ.आई.आर. के अनुसार धारा न लगाकर अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। दिनांक 19/01/2024 की रात्रि को ऐतिहासिक नारदेश्वर मंदिर ग्राम भड़ौरी थाना लहार जिला मिण्ड में चोरों द्वारा चोरी की गई । पद्म पुराण अनुसार इस स्थान पर भगवान नारद ऋषि ने तपस्या की थी, परन्तु लहार पुलिस द्वारा ना तो एफ.आई. आर. लिखी गई और न ही चोरी की राशि बरामद की गई। दिनांक 30 जनवरी 2024 को भिण्ड जिले के थाना रौन पुलिस चौकी मछण्ड के अन्तर्गत ग्राम हिलगवां में रेत माफिया द्वारा भगवान की पूजा करने के उपरांत हथियारों से लैस होकर दिनदहाड़े रेत का अवैध उत्खनन करने का वीडियो वायरल किया गया । इससे प्रतीत होता है,कि असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय समाप्त हो चुका है । डॉ. सिंह ने कहा कि लहार क्षेत्र के विधायक के छोटे भाई ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी लहार जिला मिण्ड के निवास हेतु बनाए गए नवीन शासकीय भवन पर जबरन कब्जा कर लिया। इसी के साथ ही लोक निर्माण विभाग की सड़कों का संधारण करने वाले मजदूरों से जबरन विधायक के परिजनों द्वारा अपने निजी खेतों में सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

ग्वालियर के भंवरपुरा थानान्तर्गत के एक गांव में दिनांक 29 - 30 जनवरी-की दरम्यानी रात्रि तीन बदमाशों ने एक मजदूर परिवार की 15 वर्षीया किशोरी के साथ, उसके माता-पिता एवं तीन भाई बहनों को बंदूक के निशाने पर बंधक बनाकर सामूहिक बलात्कार किया गया । इसी तरह ग्वालियर के डबरा में दिनांक 29 जनवरी 2024 की सुबह 7.30 बजे कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत छात्रा अपने घर से कोचिंग के लिए जा रहीं थी, तभी रास्ते में बाबी रावत एवं उनके दोस्त सतेंद्र द्वारा छात्रा को जबरन बाइक पर बैठाकर सहराई पुल के पास ले गए एवं वहां पर बारी-बारी से उक्त दोनों युवकों द्वारा गैंगरेप कर पुल से 30 फीट नीचे फेंक दिया गया, जिससे छात्रा की रीढ़ की हड्डी टूट गई एवं दोनों पैर टूट गए । गंभीर रूप से घायल छात्रा को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया जो जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रही है । डॉ सिंह ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कानून का सरेआम उल्लंघन करने वाले कार्य करने वालों पर कार्यवाही न होना निष्पक्ष,न्यायप्रिय एवं प्रजातांत्रिक शासन में क्या उचित है। क्या इसी को सुशासन कहते हैं । डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि महाराजा विक्रमादित्य के न्यायप्रिय शासन को मध्यप्रदेश में भी स्थापित करें ।

दावे-आपत्तियाँ 9 फरवरी तक होंगी दर्ज

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
रायपुर कर्चुलियान तहसील के पहड़िया वृत्त के ग्राम पतौना में जमीन नामांतरण का प्रकरण लंबित है। इसमें आराजी नंबर 93, 67, 95, 68, 94, 69 तथा 99 का रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किया जा रहा है। इस संबंध में कोई भी व्यक्ति 9 फरवरी को सुबह 11 बजे नायब तहसीलदार न्यायालय वृत पहꣻया में स्वयं उपस्थित होकर अथवा वकील के माध्यम से आपत्ति दर्ज करा सकता है निर्धारित दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा।

भू-अर्जन के प्रकरणों के लिए शिविर 7 मार्च को

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
भू-अर्जन तथा भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 7 मार्च को कलेक्ट्रेट रीवा में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि शिविर में सभी एसडीएम, नजूल अधिकारी तथा सभी तहसीलदार भू-अर्जन एवं भूमि आवंटन के प्रकरणों के साथ उपस्थित रहेंगे। शिविर में इन प्रकरणों के संबंध में एसडीएम तथा तहसीलदारों से प्रतिवेदन दर्ज करायें जायेंगे। सभी एसडीएम तथा तहसीलदार शिविर से पहले भू-अर्जन और भू-आवंटन के प्रकरणों के प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से तैयार करके कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रस्तुत करें। अपर कलेक्टर इसकी नियमित समीक्षा कर हर सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों से जु? विभाग शिविर से पूर्व भू-अर्जन से संबंधित समस्त अभिलेख कलेक्ट्रेट के भू-अर्जन शाखा को उपलब्ध करायें जिससे प्रकरणों का निराकरण किया जा सके।

राजस्व महाअभियान में अब तक 8043 प्रकरणों का हुआ निराकरण

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
जिले भर में 15 जनवरी से 29 फरवरी तक राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान में अब तक जिले भर में तहसील न्यायलयों में सुनवाई करके 8043 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि इस अवधि में नामांतरण के 2566, सीमांकन के 886, बंटवारा के 866 प्रकरणों एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों की सुनवाई करके 833 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया। सभी एसडीएम और तहसीलदार प्रकरणों की प्रतिदिन सुनवाई करके उनका निराकरण कर रहे हैं। राजस्व महाअभियान के तहत जिले भर में राजस्व शिविरों का ग्रामवार आयोजन किया जा रहा है। अब तक फौती नामांतरण के 3253 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। अभियान के दौरान अविवादित बंटवारे के 621 प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं। अभियान के दौरान इनके निराकरण की लगातार कार्यवाही की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल पहुंचे प्रयागराज

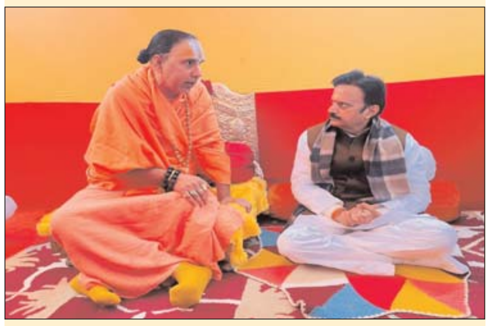

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।.
उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज प्रयागराज में पावन त्रिवेणी संगम में स्नान किया। श्री शुक्ल ने पूज्य श्री राघवाचार्य जी से भेंट की एवं पावन सान्निध्य प्राप्त किया। श्री शुक्ल को महराज श्री ने शुभ आशिर्वाद दिया।

बेटी होने पर समाज में सोच बदलने की आवश्यकता-शिवानी जैन एडवोकेट

जय भोले सेवा समिति की प्रदेश अध्यक्ष शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि सामाजिक धारणाओं के चलते समाज में बेटी होने पर भ्रूण हत्या जैसे कृत्य होते है, जो कि दुर्भाग्यजनक है। यह धारणा समाज में पड़े-लिखे लोगों में भी दिखाई देती है।बेटा-बेटी में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता बचपन से ही है। हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत है। बेटियां शिक्षित होंगी तभी वो अधिक सशक्त बनेंगी।थिंक मानवाधिकार संगठन की एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन ने कहा कि बेटियों को महिला तक सशक्त बनाने पर जोर देना होगा। उन्हें गुड व बैड टच की जानकारी होनी चाहिए। दुष्कर्मी व एसिड अटैक के आरोपितों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। पुलिस को भी और ज्यादा सक्रिय होना होगा। इससे महिलाओं की प्रताडऩा से संबंधित मामलों में कमी आएगी।सार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जी, मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक एवं जय भोले सेवा समिति के जिला अध्यक्ष डॉ एच सी विपिन कुमार जैन, संरक्षक डॉक्टर आरके शर्मा, निदेशक डॉक्टर नरेंद्र चौधरी, एडवोकेट आलोक मित्तल, एडवोकेट ज्ञानेंद्र चौधरी, एडवोकेट बीना आदि ने कहा किसमाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करना है। अभी भी कुछ लोग बेटी के जन्म लेने पर अच्छा नहीं मानते, इस सोच को बदलने की आवश्यकता है।हमारे समाज में अगर बेटियों के प्रति मानसिकता में बदलाव आ जाए तो कई समस्याएं आप ही सुलझ सकती हैं।

लापरवाह नायब तहसीलदार पर हुई निलंबन की कार्यवाही

रीवा(पुष्पांजली टुडे)
।रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डांड ने प्रभारी नायब तहसीलदार अतरैला लालाराम सूर्यवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिये हैं। कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल के प्रतिवेदन के आधार पर कमिश्नर ने यह कार्यवाही की है प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि श्री सूर्यवंशी द्वारा 4 अगस्त 2023 से 23 अगस्त 2023 की अवधि में अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर न्यायालय तहसीलदार जवा के 26 प्रकरणों का निराकरण करने तथा अधिकारिता रहित आदेश पारित किये राजस्व प्रकरणों के

निराकरण में भी श्री सूर्यवंशी द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही थी। राजस्व महाअभियान में भी उनके द्वारा कोई रूचि नहीं दिखाई गयी जिसके कारण यह कार्यवाही की गयी है। इस अवधि में श्री सूर्यवंशी को तहसील जवा के प्रकरणों के निराकरण की अधिकारिता नहीं थी। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत की गयी है। निलंबन अवधि में श्री सूर्यवंशी का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय रीवा निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से राजस्व महाअभियान की समीक्षा की
महाअभियान में दर्ज राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण करें

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
प्रदेश के साथ-साथ रीवा तथा शहडोल संभाग के सभी जिलों में राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डांड ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से रीवा तथा शहडोल संभाग में चलाये जा रहे राजस्व महाअभियान की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ राजस्व अभियान संचालित करें। अभियान के दौरान बी-1 का वाचन पूरा हो गया है। फौती नामांतरण के सभी प्रकरण दर्ज करें। अभियान के दौरान दर्ज सभी राजस्व प्रकरणों का 29 फरवरी तक अनिवार्य रूप से निराकरण करें। राजस्व अधिकारियों के मध्य प्रकरणों के निराकरण के लिए स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में संख्या और प्रतिशत के अनुसार श्रेष्ठ निराकरण करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। सभी कलेक्टर अभियान की प्रतिदिन राजस्व अधिकारवार समीक्षा करें। अभियान के दौरान दर्ज प्रकरणों के साथ-साथ लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण का प्रयास करें। अभियान की अवधि में फौती नामांतरण, अविवादित बटवारा, अविवादित सीमांकन, नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के सभी प्रकरणों का निराकरण

अनिवार्य रूप से करें। प्रकरणों के निराकरण में अपने जिले को प्रदेश के टॉप टेन जिलों में शामिल करने के प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने शहडोल में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये थे। इनका पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर तथा अन्य राजस्व अधिकारी क्षेत्र का नियमित भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान अस्पताल, छात्रावास, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र, उचित मूल्य दुकान आदि का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। निरीक्षण का प्रतिवेदन भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की सतत निगरानी के लिए इनका मौके पर निरीक्षण करें। अपने जिले की पर्यटन संवर्धन समिति को सक्रिय करें। दोनों संभागों में पर्यटन की अपार संभानाएं हैं। कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद रखें। अपना सूचना तंत्र मजबूत रखें। क्षेत्र के प्रत्येक महत्वपूर्ण जानकारी राजस्व अधिकारी के पास होनी चाहिए। कमिश्नर ने कहा कि रीवा और शहडोल संभाग में कैंसर रोग का प्रकोप है। इंदौर के सुप्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. धारकर के सहयोग से 24 एवं 25 फरवरी को रीवा में तथा 26 फरवरी को शहडोल में शिविर लगाया जा रहा है। इसमें मुख कैंसर तथा स्तन कैंसर रोगियों की जांच और उपचार किया जायेगा। इन शिविरों के लिए विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाकर कैंसर रोगियों का चिन्हांकन करें। कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इसके लिए आवश्यक प्रबंध करें। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें जिससे अधिक से अधिक कैंसर रोगी इसका लाभ उठा सकें। कैंसर रोगियों को उपचार सहायता देना बहुत पुण्य का कार्य है। सभी अधिकारी सेवाभाव से इन शिविरों की तैयारी करायें। वीडियो कान्फ्रेसिंग में कमिश्नर कार्यालय से कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से रीवा तथा शहडोल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं अन्य राजस्व अधिकारी इसमें शामिल हुए।

कलेक्टर ने कदैला समूह नल जल योजना का शेष कार्य शीघ्र पूरा कराने एवं नई समूह नल जल योजनाओं की डिजाइन को 15 फरवरी तक स्वीकृत कराने के दिए निर्देश

रीवा(पुष्पांजली टुडे
गत दिवस क ले क्ट्रे ट बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कदैला समूह नल जल योजना के शेष कार्य फरवरी माह के अंत तक पूरा करें। लक्ष्य के अनुसार सभी घरों में नल के कनेक्शन दें। जिन ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य पूरा हो गया है वहां नल जल योजना के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सौंपे। पानी की नियमित आपूर्ति होने पर सभी ग्राम पंचायतें तत्काल प्रस्ताव पारित कर देंगी। कलेक्टर ने कहा कि रीवा बाणसागर समूह नल जल परियोजना, टमस समूह परियोजना तथा सतना बाणसागर-2 के प्रारंभिक कार्य पूरे हो गये हैं। इनके ड्राइंग तथा डिजाइन को 15 फरवरी तक स्वीकृत करायें। नल जल योजनाओं के निर्माण में जिन स्थानों में वन विभाग की अनुमति की आवश्यकता है वहां के प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के अधिकारी साप्ताहिक टीएल बैठक में अन्तर विभागीय मुद्दों की जानकारी दें जिससे कठिनाईयों का निराकरण किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि रीवा बाणसागर परियोजना में 392 स्थानों पर टंकियों का निर्माण किया जाना है। इनके लिए स्थानों का निर्धारण कर लें। किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तत्काल सूचित करें। जहां आवश्यक हो वहां भू-अर्जन के प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों को हिदायत देते हुए कहा कि सभी स्वीकृत नई समूह नल जल योजनाओं के कार्य समय सीमा में पूरा करायें। पाइप लाइन बिछाने के लिए साप्ताहिक लक्ष्य तय करें। अतिरिक्त मशीनें और मजदूर लगाकर कार्य में तेजी लायें। बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक रीवा चित्रांशु ने बताया कि रीवा बाणसागर समूह नल जल योजना से 190 एमएलडी का जल सोधन संयंत्र बनाया जा रहा है। 70 स्थानों में टंकियों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। नल जल योजना के निर्माण कार्यों के लिए जल संसाधन विभाग, नेशनल हाइवे तथा वन विभाग के साथ निरंतर संवाद करके कठिनाईयां दूर की जा रही हैं। महाप्रबंधक ने बताया कि टमस रीवा नल जल योजना से 1937 किलो मीटर पाइप लाइन बिछाकर पानी की आपूर्ति की जायेगी। विभिन्न गांव में 197 टंकियों का निर्माण करके 131715 घरों में नल कनेक्शन देंगे। इसके इंटेकबेल का निर्माण कार्य जारी है जो जुलाई माह तक पूरा हो जायेगा। सतना बाणसागर - 2 नल जल योजना में 183.4 एमएलडी क्षमता का इंटेकबेल बनाया जा रहा है। इस योजना में 288 टंकियों का निर्माण किया जाना है। जल सोधन संयंत्र का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस परियोजना से रीवा विकासखण्ड के 21 और सिरमौर के 34 गांव में पानी की आपूर्ति होगी। बैठक में उप प्रबंधक नीतेश सिंह, महाप्रबंधक सतना निरव अग्रवाल तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाना चोरहटा पुलिस ने कुछ घंटे में सनसनीखेज अपहरण का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर बच्चों को मुक्त करा कर परिजनो को किया सुपुर्द

रीवा(पुष्पांजली टुडे)।
अधीक्षक विवेक सिंह व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर महज चंद घंटे के अंदर दो बच्चों का अपहरण कर 4 लाख की फिरौती मांगने वाले आरोपी के कब्जे से बच्चों को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सपोर्ट किया आरोपियों को किया गिरफ्तार।विवरण दिनांक 01.02.2024 को कंट्रोल रूम रीवा से सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति देवकीनंदन नगर मैदानी रीवा में दो नाबालिक बच्चों उम्र 5 मा एवं उम्र 3 वर्ष का अपहरण कर घर के अंदर बंधक बनाकर चार लाख फिरौती की मांग कर रहा है एवं पैसे ना देने पर बच्चों को जान से मार देने की धमकी दे रहा है। उक्त सूचना से पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह को अवगत कराया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी चोरहटा के नेतृत्व में टीम गठित कर बच्चों को सकुशल दस्तयाबी किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर थाना प्रभारी चोरहटा अपनी टीम के साथ उस जगह पर गए जहां पर आरोपी ने दोनों बच्चों को बंधक बना रखा था। एवं उनके परिजनों से फिरौती के रूप में चार लाख रुपए की मांग कर रहा था आरोपी पैसे ना देने पर बच्चों को जान से मार देने की धमकी दे रहा था मामले को गंभीरता से देखते हुए थाना प्रभारी चोरहटा वह उनकी टीम द्वारा सावधानी व विवेक पूर्वक कार्य करते हुए पुलिस बल को सादी वर्दी में उनके परिजनों के साथ रखा गया। जिससे आरोपी द्वारा की जा रही बातचीत एवं यथा स्थिति का पता लग सके। आरोपी ने बच्चों को एक मकान के कमरे में कैद कर रखा था। एवं उनके गले में चाकू लगा रखा था एवं सजगता पूर्वक खिड़कियों से देखने पर ज्ञात हुआ कि आरोपी अपने पास पेट्रोल से भरी हुई दो बोतले भी रखा था। आरोपी लगातार परिजनों से पैसे की मांग कर रहा था फिरौती की राशि न देने पर बच्चों को जान से मारने की वह आग लगा देने की धमकी दे रहा था वह कह रहा था कि पुलिस व स्थानी लोगों ने मुझे घेर रखा है जिस पर पुलिस टीम द्वारा सजगता पूर्वक अपना छुपाओ करते हुए मकान के बाहर का हिस्सा आरोपी को वीडियो कॉल पर खाली दिखाया गया एवं थाना प्रभारी ने स्थानी लोगों व परिजनों के सहयोग से फिरौती की रकम की व्यवस्था कर आरोपी को वीडियो कॉल पर पैसे दिखाए गए एवं इस बीच पुलिस ने उसे मकान को चारों तरफ से घेर लिया एवं कुछ पुलिस बल शादी वर्दी में परिजनों के साथ आरोपी को पैसे देने के लिए दरवाजा खुलवाया एवं आरोपी को क्षण भर की देर ना करते हुए तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और दोनों बच्चों को सकुशल दस्तयाब किया गया। एवं परिजनों को सुपुर्द किया गया वह आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 364, 342,506, का प्रमाणित पाए जाने पर आरोपी को उपरोक्त अपराध में गिरफ्तार कर माननीय न्याय पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी -दीपक सिंह चौहान पिता राम बहादुर चौहान उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम लोनियाचक थाना सिगड़ी पटना बिहार हाल विधायक कॉलोनी मैहर

कार्यवाही में पुलिस टीम -निरीक्षक श्रंगेश सिंह राजपूत थाना प्रभारी चोरहटा, के एल बागरी, के पी सिंह, रवि प्रताप सिंह, नीरज पांडे, पंकज मिश्रा कि विशेष भूमिका रही।

भवसागर का सार स्वाहा है और उद्देश्य स्वधा है : श्री माताजी

परमात्मा से भवसागर से पार कराने की विनती हम अक्सर भजनों में सुनते रहते हैं। तथा अधिकांश व्यक्ति यह सोचते हैं कि मृत्यु के समय हमें भवसागर को पार कर जाना होगा। परन्तु वास्तविकता यह है कि भवसागर को जीवित जागृत अवस्था में ही पार किया जा सकता है। मनुष्य का शरीर स्वयं में एक संपूर्ण ब्रह्मांड है। हमारे शरीर में अनेक चक्रों, नाड़ियों व कुंडलिनी शक्ति को अत्यंत ही सुंदर व सूक्ष्म तरीके से व्यवस्थित किया गया है। इसमें आत्मा श्री शिव का व कुंडलिनी श्री आदिशक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। ज्ञान के अभाव में हमारी चेतना सांसारिक वस्तुओं व भौतिकता की ओर अधिक आकृष्ट होती है और हम प्रत्येक सांसारिक वस्तु का उपयोग करना चाहते हैं और यही भवसागर में डूबने का कारण है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी ने वर्णन किया है कि,श्री कृष्ण ने कहा है कि मानव चेतना नीचे की ओर जाती है और मानव चेतना की जड़ें मस्तिष्क में होती हैं। और जब मनुष्य नीचे की ओर जाने लगता है तो वह परमात्मा के विपरीत दिशा में गति करता है। हम.... भवसागर में पैदा होते हैं.. भवसागर का सार स्वाहा है और उद्देश्य स्वधा है। स्वाहा का अर्थ है सेवन, सभी विषों का सेवन, हर चीज का सेवन। और स्वधा एक है। इसका अर्थ है कि स्व आत्मा है और ध का अर्थ है धारण करने वाला। तो आत्मा का धर्म, जब यह आप में आता है, तब आप गुरु बन जाते हैं। तो भवसागर में, यह स्वाहा और स्वधा दोनों हैं। स्वाहा से आपको स्वधा में जाना होगा। यदि

आप स्वधा अवस्था में आ जाते हैं तो आपके भीतर महालक्ष्मी जागृत हो जाती हैं और आप ऊपर उठने लगते हैं। इसे 'उर्ध्वगति' कहा जाता है- उत्थान की ओर जाना। अवरोही पक्ष को 'अधोगति' कहा जाता है। आदिशक्ति स्वरूपा श्री माताजी गुरुओं की भी गुरु हैं वे उनके द्वारा स्थापित सहजयोग मानव को भवसागर के पार ले जाने का अत्यंत सुगम मार्ग है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के पश्चात् आप अपने गुरुत्व के मार्गदर्शन में माया के बंधनों से मुक्त रहकर स्वधा को प्राप्त करने हेतु अग्रसर होते हैं। इतना ही नहीं वरन् आत्म ज्ञान के प्रकाश में कुंडलिनी शक्ति की ऊर्जा द्वारा प्रेममय व करुणामय तरीके से अनेकानेक साधकों को स्वाहा से स्वधा की ओर ले जा कर भवसागर से मुक्ति का मार्ग दिखा सकते हैं। भवसागर से मुक्ति का अर्थ संसार का त्याग नहीं वरन् संसार का उपभोग करते हुऐ सृष्टि की संपदा का आनंद लेते हुए उससे अलिप्त रहना है। यही सहजयोग है।

संपादक की कलम से

नीतीश ने पाला बदलकर विपक्षी एकता की जड़ें हिला दीं

आखिर बिहार में नीतीश और उनके जदयू ने विपक्ष के गठबंधन आईज्.एनज्.डी.आई.ए. से अपना नाता तोड लिया। नीतीश कुमार विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया अलायंस के सूत्राधार रहे हैं। उन्होंने ही भाजपा के विरूद्ध विपक्ष को एकजुट करने की शुरूआत की। एक दूसरे के धूर विरोधी दलों को एक साथ बैठाया, ऐसे में उनके पलटी मार देने से इस गठबंधन को लेकर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। नीतीश को बिहार का पलटू राम कहा जाता है, पलटू राम इस बार पलटीमार कर विपक्ष की एकता की जड़े ही हिंला गए। उनके भाजपा के साथ जाने से जनता में साफ संदेश गया कि ये एका सिद्धांत का नही स्वार्थ का था। नीशीथ का प्रयास विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का उम्मीवार बनने का था। उसमें असफल होने और अपने प्रदेश में हुए घटनाक्रम के कारण वे अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए भाजपा के साथ चले गए।

नीतीश कुमार ने खुद विपक्षी दलों को एकजुट करने में पिछले कई माह काफी मेहनत की थी। उन्होंने शुरूआत में ऐसे दलों को कांग्रेस के साथ बिठाने में कामयाबी हासिल की जो राहुल गांधी और उनकी पार्टी को लेकर सवाल उठाते रहे थे। नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल में सरकार चला रहीं ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को साथ लाने में कामयाब रहे। पटना में गठबंधन की पहली बैठक कराने को भी उनकी कामयाबी माना गया। दूसरी बैठक के बाद से ही नीतीश कुमार के असहज होनी की चर्चा शुरू हो गई। तब कांग्रेस फ्रंट फुट पर आती दिखी। रिपोर्टों में दावा किया गया कि गठबंधन संयोजक न बनाए जाने से वो नाखुश हैं। विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखने को लेकर भी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि नीतीश कुमार ने शिकायत की थी कि उनसे सलाह नहीं ली गई। उनका मानना था कि इंडिया में एनडीए आता है, इसलिए ये नाम न रखा जाए, कितुं उनकी नही सुनी गई। हालांकि, नीतीश कुमार ने अपनी नाराजगी की रिपोर्टों को खारिज कर दिया था।

रविवार को बीजेपी के अगुवाई वाले गठबंधन एनडीए के साथ जाने का फैसला करने के बाद खुद नीतीश कुमार ने अपनी असहजता को साफ बयां किया कि ह्यकुछ ठीक नहीं चल रहा था। दरअस्ल यह चाहते थे कि उन्हें गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए, किंतु 19 दिसंबर को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए सुझाए जाने पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया तो नही दी किंतु उनका गठबंधन से मन उचटने लगा। उन्हें लगने लगा कि कांग्रेस विपक्षी गठबंधन पर हावी होना चाहती है। राहुल की भारत न्याय यात्रा ने इस विद्रोह में आग में घी का काम किया। कायदे ये यात्रा उन प्रदेशों में निकलनी चाहिए थी, जहां कांग्रेस की सरकार हैं। बिपक्षी दलों के सरकार वाले प्रदेश में स्थानीय दल की मर्जी से उसे साथ लेकर ये यात्रा की जानी चाहिए थी।किंतु ऐसा नही हुआ। बंगाल में यात्रा पहुंचने पर ममता बनर्जी को लगा कि उन्हें कमजोर करने के लिए उनके प्रदेश से यात्रा निकाली जा रही है। जरा-जरासी बात पर नाराज होने वाली ममता इस यात्रा के बंगाल में आते ही उछल गईं। उन्हें लगा कि राहुल और कांग्रेस इसके माध्यम से उन्हें कमजोर करना चाहती है। सो उन्होंने बंगाल में अकेले अपने बूते पर पूरे प्रदेश में चुनाव लडने की घोषणा कर दी। यात्रा बिहार में भी आनी थी। बिहार में नीतीश को अपने सहयोगी रहे लालू यादव के रवैये से लगा कि वह उनकी पार्टी में तोड़फोड़ करना चाहते हैं। दरअस्ल नीतीश कुमार के इस पलट के पीछे उनकी पार्टी में चल रही राजनीति थी। नीतीश कुमार को पिछले महीने इसकी भनक तब लगी जब पार्टी के कुछ विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर मीटिंग की थी। इसके साथ ही नीतीश ने तेजी दिखाते हुए ललन सिंह को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटा दिया था तथा खुद पार्टी के अधयक्ष बन गए थे। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि उनकी पार्टी में सब कुछ सही नही चल रहा है और उनके और लालू यादव के रास्ते अलग होने वालें हैं। लालू यादव नीतीश पर दबाव दिए थे कि वे तेजस्वी को मुख्य मंत्री बनाए। नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार के महागठबंधन से अलग होकर बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए का हाथ थाम लिया। दोनों ने मिलकर सरकार बना ली। शपथ भी हो गई। ये भी तै हो गया कि जदयू और भाजपा मिलकर बिहार में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी का प्रयास था कि वह विपक्ष की एकता तोड़ सके, सो वह उसमें कामयाब हो गई। उसने बड़ा सोच समझकर ये निर्णय लिया। भाजपा को नीशीथ के साथ लेने से लोकसभा चुनाव में बिहार में फायदा ही होगा नुकसान नही। दूसरे विपक्ष में टूट करके वह इस टूट का फायदा उठाने में लग गई है। उसने प्रचार शुरू कर दिया कि ये स्वार्थ का गठबंधन है। बिहार में सत्ता परिवर्तन के तुरंत बाद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि ह्यइंडी अलायंसह्न सैद्धांतिक रूप से असफल हो चुका है। नड्डा ने पत्रकारों से कहा, हम पहले भी कह चुके हैं कि इंडिया अलायंस अवित्र, गैरवैज्ञानिक है और यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा। और भारत जोड़ो यात्रा जो बेनतीजा समाप्त हुई और अभी की इनकी अन्याय यात्रा और भारत तोड़ो यात्रा और इंडी अलांयस है, यह सैद्धांतिक तौर पर विफल हो चुका है।

आत्मनिर्भर,स्वतंत्र राष्ट्र सुनहरे और स्वाभिमानी भविष्य को जन्म देता है

"पराधीन सपने हूं सुख नाही"यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि "एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं",पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है ।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी "दैव दैव आलसी" पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए।

साझेदारी के शिखर पर भारत-फ्रांस

अरविंद जयतिलक (वरिष्ठ पत्रकार)

75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्ते को मिठास से भर दिया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत की यह तीसरी यात्रा है। इससे पहले वे वर्ष 2018 में भी गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि बने थे। दोनों देशों के बीच कितना मधुर संबंध है, वह इसी से समझा जा सकता है कि 1976 से लेकर अब तक 5 बार फ्रांस के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस की शोभा बढ़ा चुके हैं। इस समय दोनों देश रणनीतिक साझेदारी की 25 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच कई विषयों पर सहमति बनी है जो दोनों देशों के लिए बेहद फायदेमंद है। फ्रांस की ओर से भारतीय छात्रों के शेंगेन वीजा की वैधता 5 साल का एलान किया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भारतीय छात्रों को फ्रांस में तीन महीने से लेकर केवल एक साल तक ही रहने की अनुमति थी। दोनों देशों के बीच पढ़ाई से लेकर रोजगार के मसले पर बातचीत हुई। दोनों देश युवा पेशेवर योजना की घोषणा की है जिसके तहत 18 वर्ष से 35 वर्ष के युवाओं को एकदूसरे के देश में कमाई के रास्ते खुलेंगे। इसके अलावा दोनों देशों के बीच डिफेंस स्पेस पार्टनरशिप, सैटेलाइट लांच के लिए नए स्पेस इंडियन लिमिटेड और एरियन स्पेस के बीच एमओयू हुए हैं। टाटा और एयरबस स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर 125 हेलीकॉप्टर बनाएंगे। दोनों देशों के बीच विज्ञान, तकनीक, स्वास्थ्य सेवा सहयोग, कृषि समेत पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रिफ्राम्स के मसले पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत के इरादे का समर्थन किया है। गौर करें तो मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंध शिखर पर हैं। याद होगा जब गत वर्ष भारतीय प्रधानमंत्री फ्रांस के बैस्टील डे परेड प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ आनर्स के तौर पर शामिल हुए तो उन्होंने फ्रांस के साथ रिश्ते को संदर्भित करते हुए कहा कि दोनों के साझा मकसद हैं। आतंक की लड़ाई में भारत फ्रांस के साथ है। दोनों देश 25 वर्ष की भरोसे की मजबूत नींव पर अपने कर्तव्यों की निर्वहन कर रहे हैं। रक्षा सहयोग दोनों देशों के संबंधों का आधार है। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस को ह्यमेक इन इंडियाह्न और आत्मनिर्भर भारत का महत्वपूर्ण साझीदार बताते हुए सुनिश्चित किया कि दोनों देश पनडुब्बी हो या नौसैनिक विमान सभी क्षेत्र में कंधा जोड़ आगे बढ़ने को तैयार हैं। तब दोनों देश ह्यभारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रोडमैपह्न जारी करते हुए रणनीतिक रुप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक संतुलित और स्थिर व्यवस्था बनाने पर सहमति जाहिर की।

गौरतलब है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रीयूनियन द्वीप, न्यूकैलेडोनिया और फ्रेंच पोलिनेशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक उपस्थिति है। इस पहल से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर रोक लगेगी। दोनों देशों के बीच कितना मधुर संबंध है इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस ने पधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान ह्यग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ द ऑनरह्न से सम्मानित किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों भी बेहद उत्साहित दिखे और उन्होंने कहा कि विश्व इतिहास में एक दिग्गज, भविष्य में एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला, रणनीतिक साझेदार एक मित्र का स्वागत करने पर उन्हें गर्व है। याद होगा जब 1998 में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया तब उससे नाराज होकर दुनिया के ताकतवर मुल्क भारत पर प्रतिबंध थोपा। तब फ्रांस ने भारत के साथ कंधा जोड़ते हुए रणनीतिक समझौते को व्यापक आयाम दिया। फ्रांस लगातार भारतीय सेना को लडाकू जेट व पनडुब्बियों समेत साजो-सामान की आपूर्ति कर रहा है।

गौर करें तो 2018 के बाद से फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता देश बन चुका है। मौजूदा समय में भारत अपनी कुल रक्षा आयात का तकरीबन 29 फीसदी फ्रांस से करता है। दोनों देशों के बीच बढ़ती निकटता ने कारोबारी, रणनीतिक और सामरिक कुटनीति को नए क्षितिज पर पहुंचा दिया है। दोनों देश एकदूसरे के सैनिक अड्डे का इस्तेमाल और वहां अपने युद्धपोत रखने के अलावा उर्जा, तस्करी, आव्रजन, शिक्षा, रेलवे, पर्यावरण, परमाणु, आतंकवाद और अंतरिक्ष मामलों में मिलकर काम कर रहे हैं। फ्रांस आत्मनिर्भर भारत मुहिम का साझीदार बनने के साथ-साथ 2025 तक बीस हजार भारतीय छात्रों को अपने यहां पढ़ाई का सुअवसर उपलब्ध कराने का एलान पहले ही कर चुका है। दोनों देशों के बीच यूपीआई को लेकर भी सहमति बन चुकी है।

विगत 25 वर्षों के दरम्यान दोनों देशों के बीच साझेदारी और समझदारी का ही परिणाम है कि आज भारत में विदेशी निवेश के लिहाज से फ्रांस तीसरा सबसे बड़ा निवेशक देश बन चुका है। भारत में 1000 से अधिक फ्रांस की कंपनियां काम कर रही हैं और सभी कंपनियों का संयुक्त टर्नओवर तकरीबन 30 अरब डॉलर से अधिक है। विगत ढ़ाई दशकों में भारत-फ्रांस संबंध को एक नया आयाम मिला है और दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक व सामरिक संबंधों में बेहतरी के लिए गंभीर प्रयास किए हैं । फ्रांस के नेतृत्व के दृष्टिकोण में बदलाव के साथ-साथ कुछ द्विपक्षीय बाध्यताओं ने भी दोनों देशों को एक दूसरे के निकट लाया है। यह तथ्य है कि चीन युद्ध के बाद भारत न केवल महाशक्तियों अपितु अफ्रीका व एशियाई देशों से भी अलग-थलग पड़ गया था। भारत को एक ऐसे देश के प्रति आकृष्ट होना स्वाभाविक था जिससे उसका कोई क्षेत्रीय विवाद न रहा हो। इसके अलावा 1962 में भारत व फ्रांस के बीच क्षेत्रों के हस्तांतरण संबंधी संधि के अनुमोदन ने दोनों देशों के संबंधों में मिठास घोला। तथ्य यह भी कि फ्रांस सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारतीय प्रयास का समर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था। वह आज भी अपने पुराने रुख पर कायम है।

दरअसल दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व में कई द्विपक्षीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विषयों के संबंध में समान सोच है। हालांकि विदेश नीति के विरोधी अभिमुखन के कारण दोनों देशों ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर कई बार विरोधी रुख भी अपनाए हैं। मसलन हिंद-चीन क्षेत्र की स्वतंत्रता मुद्दे पर जहां भारत ने दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र की आजादी की बात पर बल दिया, वहीं फ्रांस लगातार औपनिवेशिक स्थिति बनाए रखने का पक्षधर रहा। दोनों देशों ने मोरक्को, तुनीसिया और अल्जीरिया की उपनिवेशिक स्थिति पर विरोधात्मक विचार प्रकट किए। 1956 में मिस्त्र द्वारा स्वेज नहर के राष्ट्रीयकरण के मुद्दे पर भी भारत ने बहुत सशक्त रुप से फ्रांस व ब्रिटेन के संयुक्त प्रयास का विरोध किया। इस संयुक्त हस्तक्षेप के विरोध में भारत ने मिस्त्र का साथ दिया। 1958 में डी गॉल के फ्रांस के सत्ता संभालने के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आना शुरू हो गया। 1959 में दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक सहयोग विकसित करने की संधि पर हस्ताक्षर किए गए। आर्थिक संबंधों में सुधार के कारण दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की कोशिश की तथा व्यापार के उचित आदान-प्रदान हेतु एक संयुक्त आयोग की स्थापना की।

1973 में फ्रांस के तत्कालीन अर्थव्यवस्था एवं वित्तमंत्री वेलेरी जिसकार्ड जो बाद में फ्रांस के राष्ट्रपति भी बने, की पहल पर ह्यभारत-फ्रांस अध्ययन समूहह्न की स्थापना हुई। इस समूह की पहली बैठक फरवरी 1974 में फ्रांस में हुई तथा दूसरी बैठक मार्च 1975 में नई दिल्ली में हुई। इस समूह की सलाह पर दोनों देशों के मध्य समुद्री तेल उत्खनन, शक्ति उत्पादन व वितरण, कोयला उत्खनन व प्रयोग तथा तीसरे देश में संयुक्त उद्यम स्थापित करने संबंधित कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। सबसे महत्वपूर्ण बात जो दोनों देशों के व्यापार में अहम है वह यह कि 1994 के बाद व्यापार संतुलन हमेशा भारत के पक्ष में बना हुआ है। सामरिक लिहाज से भी दोनों देशों के बीच परंपरागत जुड़ाव है। 1976 में फ्रांस ने भारत में मिराज एफ-1 लड़ाकू विमानों के उत्पादन हेतु उद्यम लगाने की पेशकश की। भारत की कंपनी हिंदुस्तान एरोनोटिक्स लिमिटेड बंगलौर के साथ एक बहुकार्यात्मकता व एक इंजन पर आधारित हल्का हेलीकॉप्टर बनाने का समझौता किया। निःसंदेह इस पहल से भारत की सामरिक शक्ति मजबूत हुई है और रिश्ते परवान चढ़े हैं।

सशक्त भारत का आधार है कानूनों का सरलीकरण

सुप्रीम कोर्ट की हीरक जयन्ती एक अवसर है भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां पर मंथन करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। इस दृष्टि से यह अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी, और नया परिवेश देने वाला साबित हो रहा है। क्योंकि आजादी के अमृतकाल में पहुंचने तक भारत की न्याय प्रणाली अनेक कंटिली झाड़ियों में उलझी रही है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था का छिद्रान्वेषण करें तो हम पाते हैं कि न्यायाधीशों की कमी, न्याय व्यवस्था की खामियाँ और लचर बुनियादी ढाँचा जैसे कई कारणों से न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है तो वहीं दूसरी ओर न्यायाधीशों व न्यायिक कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। न्याय में देरी अन्याय कहलाती है लेकिन देश की न्यायिक व्यवस्था को यह विडंबना तेजी से घेरती जा रही है।

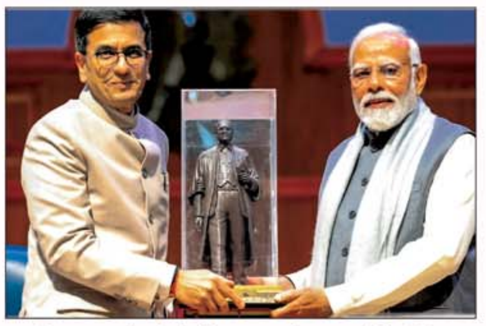

सुप्रीम कोर्ट की 75वं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये उठाये कदमों की चर्चा की। उन्होंने अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। जैसाकि खुद प्रधानमंत्री ने जिक्र किया औपनिवेशिक दौर के पुराने पड़ चुके कानूनों की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लाना बड़ा कदम है। हालांकि ये कानून अभी लागू नहीं हुए हैं और इनसे जुड़े कुछ पहलुओं पर पुनर्विचार की जरूरत भी महसूस की जा रही है, लेकिन फिर भी इस कदम की अहमियत को कम करके नहीं आंका जा सकता। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता शामिल थे। अनेक कानूनविद् यहां उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट की पहली बैठक 28 जनवरी, 1950 को हुई थी, देश की न्याय प्रणाली सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित होती है। इसी बात का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारा काम है कि न्याय की पहुंच इस देश के हर कौने एवं हर नागरिक तक पहुंचे। इसी सोच के साथ ई-कोर्ट के तीसरे चरण को मंजूरी दी गई। पिछले साल केंद्रीय बजट में, सरकार ने ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण के लिए 7,000 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की थी - जो कि 1,670 करोड़ रुपये के पिछले आवंटन से चार गुना अधिक है। मोदी सरकार भारत की न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिये हरसंभव सहयोग दे रही है। निश्चित ही जहां सरकार वर्तमान संदर्भ के अनुरूप कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है वहीं साधन-सुविधाओं को सुलभ कराने में तत्पर है। नये कानून एवं नयी आधुनिक अदालते कल के भारत को और मजबूत करेगी। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने में इनकी सर्वाधिक सार्थक भूमिका होगी। सरकार अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में न्याय-प्रक्रिया को संचालित करने के लिये भी प्रतिबद्ध है। न्याय की सुलभता की ओर इशारा करते हुए मोदी ने पहले कही गई उस बात को दोहराया कि आदेश सरल भाषा में देने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद शुरू हो गया है और उम्मीद जताई कि देश की अन्य अदालतें भी इसका अनुसरण करेंगी। टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व पर उन्होंने कहा, ह्नन्याय की सुगमता में टेक्नोलॉजी किस प्रकार सहायक हो सकती है, यह आज इस कार्यक्रम से ही पता चल रहा है। मेरा संबोधन अभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से अनुवादित किया जा रहा है और लोगों द्वारा सुना जा रहा है। शुरूआत में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि तकनीक कितने बड़े काम कर सकती है। इसी तरह, हमारी अदालतें हमारे नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट से अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण की दिशा में काम करना जरूरी है। सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का काम शुरू कर दिया है। निश्चित तौर पर एक मजबूत न्यायपालिका विकसित भारत की नींव के रूप में काम करेगी। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि जन विश्वास विधेयक न्यायपालिका पर अनावश्यक बोझ को कम करने के लिए उठाया गया कदम है। एक सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का एक हिस्सा है। सरकार एक भरोसेमंद न्याय व्यवस्था बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और कई फैसले ले रही है। जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में एक कदम है। सुप्रीम कोर्ट की अगुआई में पिछले कुछ समय से न्यायपालिका में डिजिटाइजेशन पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में ईकोर्ट्स मिशन के तीसरे फेज को भी मंजूरी मिल गई है, जिसमें कोर्ट के रिकॉर्ड्स के डिजिटाइजेशन समेत कई और क्षेत्रों में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने का इरादा है।

ह्यहाईज ऑफ जस्टिसह्न से जुड़े कुछ अन्य बेहद अहम पहलू हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। सबसे बड़ा मसला है अदालतों में लंबित पड़े मुकदमों का। 2023 में पेंडिंग केसों की संख्या 5 करोड़ को पार कर गई। इनमें 1,69,000 मुकदमे ऐसे हैं, जो 30 साल से भी ज्यादा समय से हाईकोर्टों और जिला कोर्टों में लंबित हैं। वर्तमान में 10 लाख लोगों पर सिर्फ 18 न्यायाधीश ही है। ऐसे में किसी भी न्यायपालिका से समय पर न्याय देने की उम्मीद करना उचित नहीं हो सकता है। विधि आयोग की सिफारिश के अनुसार इन पदों की संख्या में वृद्धि किया जाना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट में जजों के खाली पद भरने का काम हुआ है, लेकिन हाईकोर्टों में अभी भी काफी पद खाली पड़े हैं। डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक देश के सभी 25 हाईकोर्टों में जजों के कुल 1,114 पद मंजूर हैं, लेकिन इन कोर्टों की मौजूदा न्यायाधीशों की संख्या 784 है यानी हाईकोर्टों में जजों के 330 पद खाली हैं।

न्याय प्रणाली में आमूल-चूल-परिवर्तन, परिवर्द्धन जरूरी है और उसे अधिक प्रभावी बनाने की अपेक्षा है। इसके लिये यह भी जरूरी है कि विशेष श्रेणी के मामलों के समाधान के लिये समय-सीमा तय की जानी चाहिये तथा लोक अदालतों और ग्राम न्यायालयों की स्थापना की जानी चाहिये। इससे न केवल विचाराधीन मामलों की संख्या में आनुपातिक कमी आएगी बल्कि न्यायपालिका के मूल्यवान समय की बचत होगी। अधीनस्थ न्यायालयों के स्तर पर सर्वोत्तम उपलब्ध प्रतिभा को आकर्षित करने के लिये अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन किया जा सकता है। यह जजों की योग्यता व गुणवत्ता में सुधार करेगा। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के कुशलतापूर्वक उपयोग से न्यायिक डेटाबेस बनाया जा सकता है। अधिवक्ताओं के लिये आचार संहिता के अनुपालन को प्रभावी बनाया जाना चाहिये ताकि मामलों को जानबूझकर विलंबित न किया जा सके। उपर्युक्त सभी बातों को देखते हुए स्पष्ट है कि भारतीय न्याय तंत्र में विभिन्न स्तरों पर सुधार की दरकार है। यह सुधार न सिर्फ न्यायपलिका के बाहर से बल्कि न्यायपालिका के भीतर भी होने चाहिये। ताकि किसी भी प्रकार के नवाचार को लागू करने में न्यायपालिका की स्वायत्तता बाधा न बन सकें। न्यायिक व्यवस्था में न्याय देने में विलंब न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, अतः न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि दिखना भी चाहिये।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोनः 22727486,

खड़गे की आशंका और मोदी का डंका

@ राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को आशंका है कि यदि इस साल होने वाले आम चुनाव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी फिर आ गए तो ये देश के लिए आखरी चुनाव होंगे, क्योंकि इसके बाद मोदी जी स्वयंभू हो जायेंगे। यानि मोदी जी रूस के राष्ट्रपति पुतिन या उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग या चीन के राष्ट्रपति शी पिंग के रास्ते पर जाकर देश में तानाशाही थोप देंगे। खड़गे देश के वरिष्ठ नेता हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी जी से भी उम्र और अनुभव में बड़े हैं इसलिए उनकी आशंका को हल्के में नहीं लिया जा सकता। देश की राजनीति में पिछले एक दशक से जो उठापटक हो रही है, उसकी वजह से ऐसी आशंकाएं जन्म लेती हैं और ये बहुत स्वाभाविक है। जो आशंका देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के मन में है वही आशंका इस देश के आम आदमी के मन में भी हो ये जरूरी नहीं है, भले ही कांग्रेस की और खड़गे जी की आशंका निर्मूल न हो। निश्चित ही देश लोकतंत्र से एक तंत्र की और बढ़ रहा है। भारतीय लोकतंत्र पूर्व में इस तरह के घटनाक्रम से कभी नहीं गुजरा। 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक बार लोकतंत्र को बंधक बनाने का प्रयास करते हुए देश में आपातकाल लगाया था किन्तु उसकी उम्र भी 19 महीने से ज्यादा नहीं रही। जनता ने वापस लोकतंत्र की बहाली कर दी थी, लेकिन आज स्थितियां एकदम भिन्न हैं। भारत में आज लोकतंत्र को चुनौती देने के लिए किसी तरह का आपातकाल नहीं लगाया गया है लेकिन सरकार की जो गतिविधियां हैं वे आपातकाल से भी जायदा खतरनाक और भयावह हैं।

निर्भ्रम ज्ञान

जो जैसा है उसको वैसे ही कहना,
तोड़ मरोड़कर पेश करने से बदले मायना,
भ्रम में पड़ने से होती दुर्गति,
सोचने की शिथिलता से भ्रमित मति,
शंका रहित मनुष्य होता निधड़क,
सादे जीवन में नहीं होता तड़क भड़क,
ज्ञान के साथ नहीं रह सकता अभियान,
जीवन के लिए जरूरी निर्भ्रम ज्ञान।
रख सच्चाई सामने होकर निसंकोच,
अधूरा ज्ञान तो सदा लाता आक्रोश,
जहां हो विद्या वहां नहीं पनपता संदेह,
ज्ञानता के स्त्रोत से होता व्यक्ति अभय,
नहीं उसका सकते बिगाड़ कभी ठग,
करता गुणगान उसका सदा जग,
उत्तम लोगों के संग से मिलता ज्ञान,
जीवन के लिए जरूरी निर्भ्रम ज्ञान।
जो भ्रम के चंगुल में फंस जाता,
धँसता जाता बाहर निकल न पाता,
आत्मविश्वास भी डगमगाने लगता,
बात-बात पर सबके आगे झुकता,
डगर के आगे छा जाता अंधेरा,
रात का सन्नाटा भूल जाता सवेरा,
टूटे एकाग्रचित भ्रमित होता ध्यान,
जीवन के लिए जरूरी निर्भ्रम ज्ञान।
निर्भ्रम स्पष्ट विचारों की तरह,
दिखाई देता तल नहीं कोई विरह,
फैसला जहां लेने होते आसान,
कर्म का फल होने लगता परवान,
टूट जाते हैं सारे पल भर में बंधन,
बिखेरता महक उच्च विचारों का चंदन,
विद्वानों को ही मिलता जीवन भर मान,
जीवन के लिए जरूरी निर्भ्रम ज्ञान।

- डॉ.विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

कु.परी व्यास को गणतंत्र दिवस पर ऊर्जा मंत्री ने किया सम्मानित

.योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस पर लाल परेड ग्राउंड गुना में आयोजित कार्यक्रम में कु. परी व्यास नें स्कूल शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग (-17) में ग्वालियर संभाग का नेतृत्व करते वर्ष 2023-24 में मध्य प्रदेश में उपविजेता का स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त कर,साथ ही गोला फेक प्रतियोगिता में ग्वालियर संभाग में प्रथम और राज्य स्तरीय गोलाफैक प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने पर प्रद्युम्न तोमर ऊर्जा मंत्री मध्य प्रदेश शासन अमनवीर सिंह बेस कलेक्टर और संजीव कुमार सिंहा पुलिस अधीक्षक गुना नें संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। परी व्यास को विगत वर्ष

2022-23 में इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त हुआ था। परी व्यास कक्षा 10 में अध्यनरत 15 वर्षीय परी व्यास पांच राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी है और परी व्यास गवर्नमेंट मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल चांचौंडा में कक्षा 10 में अध्यनरत है,अल्पायु में सफलता का श्रेय अपनी बड़ी बहन वंदना व्यास स्पोर्ट टीचर, स्कूल टीचर, माता-पिता रामेश्वर शर्मा-वैजयंती शर्मा लाखोरी-पिता और, महिपाल राजपूत कोच को देती है।विकासखंड चांचौडा सहित जिला गुना का मध्य प्रदेश में नाम रोशन करने पर भी विकास कुमार आनंद एसडीएम चांचौड़ा मैं कार्यालय में बुलाकर परी को बधाई देकर शुभकामनाएं दी, साथ ही चंद्रशेखर सिसोदिया जिला शिक्षा अधिकारी,केपी सिंह राठौर ब्लॉक समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद परामर्शदाता-कल्लू मीणा, श्रीधर शर्मा,राघवेंद्र राजोरिया विनोद नागोरिया,अरविंद कुमार पारीक सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम द्वारा संचालित एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू के सभी छात्रों ने परी व्यास को बधाई दी है

आयुष रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर शुरू हो- सांसद डॉ.के.पी.यादव

17 वीं लोकसभा के अंतिम बजट सत्र में पहले ही दिन संसदीय क्षेत्र में किसानों के हित में सांसद डॉ.के.पी.यादव ने आवाज उठाई

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- 17वीं लोकसभा के बजट सत्र के पहले दिन गुना संसदीय क्षेत्र से सांसद डॉ.के.पी.यादव ने संसदीय क्षेत्र में पैदा होने वाली औषधि के संरक्षण व संवर्धन की दिशा के प्रयास हेतु आयुष रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर शुरू करने की बात रखी। वैसे तो लोकसभा के प्रत्येक सत्र में सांसद डॉ.के.पी.यादव द्वारा अपने क्षेत्र के हर छोटे-बड़े मुद्दे को रखते हुए हमने देखा है।यह मोदी सरकार (2.0) का अंतिम बजट सत्र है जिसमें गुना लोकसभा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए सांसद डॉ.के.पी.यादव ने क्षेत्र की मांग को उठाते हुए आयुष रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के विषय में सरकार से प्रश्न पूछा।सांसद डॉ.के.पी.यादव ने प्रश्न काल के दौरान अपनी बात रखते हुए बजट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को बधाई देता हूँ कि उन्होंने एक सर्व समावेशी और आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के लिए जन कल्याणकारी बजट प्रस्तुत किया जिसमे समाज के सभी वर्गों के लिए

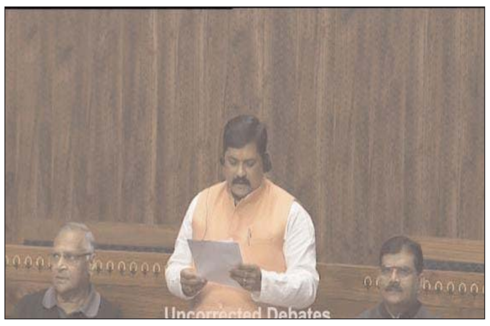

प्रावधान किया गया है। आयुष मंत्रालय का बजट भी 3700 करो? कर दिया है जो 2014 में सिर्फ 691 करोड़ था और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयुष प्रणाली को पूरे विश्व में प्रसिद्धि मिल रही है।संसद में बोलते हुए सांसद डॉ.के.पी.यादव ने कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र गुना आकांक्षी जिला है और यहाँ पर 35 से अधिक प्रकार की आयुष औषधियां जैसे अश्वगंधा, आँवला, भृंगराज और गिलोय की खेती होती है जो मेरे क्षेत्र के जंगलों में पाया जाता है और इनकी गुणवत्ता खेतों में उगाए जाने वाली औषधियों से अधिक होती है लेकिन इन पर शोध की कमी के कारण इसका उपयोग नहीं किया जा रहा। इन प्राकृतिक औषधियों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता और इनके संरक्षण और संवर्धन हेतु सरकार द्वारा लोक सभा क्षेत्र में आयुष रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर शुरू करने की कोई योजना है? और इसके अतिरिक्त क्या इन औषधियों को मण्डियों में बेचने के लिए कोई निर्धारित खरीदी केंद्र स्थापित करने की कोई योजना बनाई जाएगी जिससे किसानों को औषधियों के लिए उचित मूल्य मिल सके?इसके उत्तर में केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल जी ने सांसद डॉ.के.पी.यादव के प्रश्न की प्रशंसा करते हुए जानकारी दी की नेशनल मेडिसिन प्लांट बोर्ड के सहयोग से हम किसानों के लिए औषधि विपणन, संरक्षण व संवर्धन आदि से संबंधित प्रोत्साहन व ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाते हैं जिससे कि आयुष कार्यक्रमो में किसानों को सहभगिता व लाभ प्राप्त हो सके।इस अवसर पर सांसद डॉ.के.पी.यादव ने पूरक प्रश्न पूछते हुए चिकित्सकों के नियुक्ति संबंधी प्रश्न पूछा सांसद डॉ.के.पी.यादव ने कहा कि आयुष प्रणाली के बेहतर प्रसार के लिए चिकित्सकों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है और राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत इसके लिए प्रावधान भी है लेकिन आज भी बहुत सारे प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों में आयुष डॉक्टर्स की नियुक्ति नहीं हो रही है।

क्या सरकार आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर्स पर आयुष डॉक्टरों की नियुक्ति करने हेतु कोई विशेष अभियान शुरू करने पर विचार कर रही है ?

आंदोलन किया तो फ्लेट रेट से बिजली देने को तैयार हुआ प्रशासन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर- गिरवाई, अजयपुर और बीरपुर के किसानों को सिंचाई हेतु कृषि पंपों पर दी जाने वाली फ्लैट रेट की सुविधा बिना बताए खत्म करके अब उन्हें रीडिंग के आधार पर बिल भेजे जा रहे हैं, जबकि पूरे देश में और मध्य प्रदेश में तथा ग्वालियर में भी किसानों को फ्लैट रेट से बिजली देने का नियम है, किंतु गिरवाई, अजयपुर वीरपुर आदि गांव में विद्युत विभाग इस नियम को लागू नहीं कर रहा है इसके कारण किसानों के ऊपर लाखों लाख के बिजली का बिल बकाया हो गया है कई किसानों के कनेक्शन कट गए हैं सिचाई के अभाव मे उनकी खेती नहीं हो पा रही है उनकी हालत आर्थिक हालत भी खस्ता हो गई है ऐसी दशा में आज करीब दो सैकड़ा किसान मध्य प्रदेश किसान सभा के नेतृत्व में ऊर्जा मंत्री श्री प्रदुम्न सिंह तोमर के सरकारी बंगले पर पहुंचकर प्रदर्शन किया एवं डिविजनल इंजीनियर को ज्ञापन दियाप्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बंगले पर हुई सभा को उपस्थित किसानों को सबोधित करते हुए मध्य प्रदेश किसान सभा के राज्य महासचिव अखिलेश यादव ने किसानों से कहा कि बिजली के सवाल पर अब नीतियां बदली जा रही है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसानों और गरीब नागरिकों की बजाय अब

पूंजी पतियों और बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए नीतियां बनाई जा रही है क्योंकि गिरवाई इलाका अघोषित रूप से छोटी-छोटी औद्योगिक इकाइयों का जाल बन गया है और उन पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए इन किसानों को बर्बाद करने की नीति बनाई जा रही है इसलिए सभी किसानों को एकजुट रहने की आवश्यकता है किसान नेता यादव के अनुसार बिजली विभाग और वर्तमान की प्रदेश सरकार किसानों के हित के खिलाफ काम कर रही है हमें इससे सावधान रहना होगाऊर्जा मंत्री के बंगले पर प्रदर्शन के दौरान डिविजनल इंजीनियर ने आकर ज्ञापन देने के लिए कहा तब किसानों ने कहा कि हमारा एक ही मुद्दा है कि हमें फ्लैट रेट से बिजली दी जाए, आंदोलन और किसानों के आक्रोश को देखते हुए डिवीजन इंजीनियर श्री राजपूत ने इस मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि इसके लिए हमें सर्वे करना पड़ेगा एवं अलग से लाइन बिछानी पड़ेगी सर्वे करने के लिए दो सप्ताह का समय लगेगा इसके साथ ही ऊर्जा मंत्री ने अखिलेश यादव से दूर भाष से चर्चा करते हुए कहा कि चुकी अभी वह आने में असमर्थ हैं अतः एक-दो दिन के अंदर ही वह स्वयं मुलाकात करेंगे और इस समस्या के निराकरण के लिए ठोस कार्रवाई करेंगेद्य

उक्त आश्वासन के आधार पर किसानों ने अपना आंदोलन एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया एवं चेतावनी दी गई की एक सप्ताह के अंदर अगर आश्वासन पूरे नहीं किए गए तो फिर किसान अपने समूचे परिवार के साथ ऊर्जा मंत्री के बंगले पर डेरा डालने के लिए मजबूर होंगे आज के इस प्रदर्शन में सुग्रीव सिंह कुशवाहा, नाहर सिंह कुशवाहा, कल्लू लोधी, संजय कुशवाहा, रूप सिंह कुशवाहा,सौवरन सिंह लोधी, सरमन सिंह कुशवाह, लायकराम बघेल, शिवचरन यादव,दाताराम बघेल, भवंर सिंह कुशवाह, लायकराम, हरमुख सिंह कुशवाह, बंटी कोठारी आदि शामिल थे, इस दोरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रामविलास गोस्वामी भी उपस्थित थे

मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस ने काटे अनफिट बसों के चालान

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी यातायात पुलिस द्वारा मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान अनफिट बसों के चालान कटे गए जिसमे शहर मैं दौड़ रही अनफिट बसों के चालान कटे गए प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के बस स्टैंड पर यातायात पुलिस ने मजिस्ट्रेट के सयुक्त रूप से चेकिंग करते हुए शहर मैं फर्राटे से दौड़ रही अनफिट बसों के चालान काटे गए साथ हो जिन चार पहिया वाहनो की नंबर प्लेट के ऊपर लिखे गए अध्यक्ष,उपाध्यक्ष या

अपनी कंपनी या फर्मो के नाम लिख कर घूम रहे लोगो के भी चालान काटे गए पूरी चेकिंग के दौरान मजिस्ट्रेट साहब मौजूद रहे चालान काटने के साथ ही अन्य बसों के मालिकों को भी नासियत दी वह अपने ड्राइवरों को ड्रेस दे और बसों के सभी कागजो को अपनी बस के अंदर ही रखे नही तो अगली बार जिस बस मैं बस के कागज नही मिलें उन पर डबल चालान किया जाएगा खबर मिलने तक दस से बारह बसों तथा पांच से छै चार पहिया वाहनों के चालान काट दिए गए थे

श्री राम क्रिकेट समिति द्वारा किये किये गए क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

ठाकुरपुरा की प्रदीप एंड दीपक इलेवन रही विजेता

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी मैं 26 जनवरी से आयोजित हुए श्री राम क्रिकेट समिति के द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन हो गया जिसमें ठाकुरपुरा की प्रदीप एंड दीपक इलेवन की टीम टूर्नामेंट के वेजेता रही विजेता टीम को टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि रहे वार्ड के पूर्व पार्षद प्रत्याशी और समाज सेवी गजराज सिंह कुशवाह द्वारा 5100 रुयपे का नगद पुरुस्कार दिया गया ओर उपविजेता को 2100 रुपये का नगद पुरुस्कार देते मैच में मेन ऑफ द मैच रहे अरविंद को पुरस्कृत किया साथ ही

विजेता और उपविजेता टीम के सभी खिला?ियों को उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभाशीष दी मुख्य अतिथि गजराज कुशवाह ने बताया कि खेल जीवन का ब?ा ही हिस्सा हैं जिस प्रकार जीवन मे भोजन की आवश्यकता होती हैं उसी प्रकार बच्चो को खेल भी बहुत जरूरी उसी के साथ ही जिन बच्चों की रुचि पड़ने मैं कम हैं वह अपना भविष्य खेल के मैदान मैं बना सकते है आज के इस दौर मे बहुत लोव अपना नाम खेल के मैदान मे बना रहे है और अपने घर परिवार के साथ शहर प्रदेश ओर देश का नाम रोशन कर रहे है

ईमानदारी की मिसाल पेश करने पर मिला सम्मान : डीएसपी प्रशांत शर्मा

पिछोर, मानपुर पिछोर निवासी अंकुर लोधी का आज एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने अपने कार्यालय में सम्मान किया, दरअसल कल दिनांक 01/02/24 की शाम को पिछोर न्यायालय के एडवोकेट श्री दुबे जी का बटुआ रास्ते में कही गिर गया था जिसमे उनके जरूरी दस्तावेजों के साथ साथ 10/12 हजार रुपए थे।वह बटुआ मानपुर निवासी अंकुर लोधी को मिला तो उसने फोन करके बटुए के मालिक को

बताया कि उसे रास्ते में उनका बटुआ मिला है,अपना बटुआ वापस पाकर वकील साहब की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।आज एसडीओपी कार्यालय में श्री प्रशांत शर्मा जी ने अंकुर लोधी को उनकी ईमानदारी पर सम्मानित किया और खोया हुआ बटुआ वकील साहब को सौंपा,श्री शर्मा ने बताया कि अंकुर का यह कृत्य बेहद सराहनीय है और धन्य है ऐसे माता पिता जिन्होंने अंकुर को इतने अच्छे संस्कार दिए।

जल्दी कर लो, अगला नाविक आपसे प्रेम करे न करे, आपको तवज्जो दे न दे

इस भूल और भ्रम के देश में गुरु की समर्थता, शक्ति, मदद, सच्चाई पर अविश्वाश पैदा कराने वाले आदमी मिल जाते हैं, रहो सावधान

सीकर (राजस्थान)निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, टेकी या लकीर के ड़ड़ीर न बनने की शिक्षा देने वाले, वड़्त के गुरु से ही काम होगा - इसकी याद बराबर दिलाने वाले, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त महाराज जी ने 16 अगस्त 2021 सांय सीकर (राजस्थान) में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि गुरु ने डोर लटका दिया है, समझ लो नाव लगा दिया है, लेकिन जो गुरु महाराज के नामदानी बैठे हो, अब आपको विश्वास के साथ करने की जरुरत है। अगर नहीं बैठ पाओगे तो नाव चली जायेगी, फिर इन्तजार करना पड़ेगा, फिर कब आती है नाव, क्या होता है, क्या पताड़ आपके कर्म कुछ ऐसे बन जाए कि आप फंस जाओ, दुसरा कोई आवे, दुसरा पतवार लेकर के कोई नाविक आवे, आपसे कितना प्रेम करे, क्या करे, किस तरह करे, कैसे आपको तवज्जो दे, ये तो समय परिस्तिथि के अनुसार आपको मालुम पड़ेगा, इसलिए अभी तो दया बराबर काम कर रही है, शरीर से तो चले गए लेकिन अभी आपके साथ हैं।

यह भूल और भ्रम का देश है-देखो जगह-जगह भ्रम पैदा हो जाता है। जगह-जगह आदमी मिल जाते हैं और सुमिरन ध्यान भजन का जो रास्ता बताया जाता है, इससे अलग कर देते हैं, गुरु को भुलवा देते हैं। जो इस वक्त पर एक स्तंभ, खंभे की तरह से हैं। जैसे कोई समुद्र में डूब रहा हो और उसको कोई खम्भा मिल जाए, उसे पकड़ ले, जान बच जाए, इस

तरह से इस समय पर गुरु होते हैं। लेकिन उनको भी लोग न समझ करके भ्रम और भूल में डाल देते हैं। भ्रम हो जाता है कि गुरु सच्चे हैं या नहीं है, समर्थ है या नहीं है, मदद करेंगे या नहीं करेंगे, यह नाम जो मिला है यह शब्द है या नहीं है। तो यह भ्रम और भूल का देश है। लेकिन कुछ चीज ऐसी है, जो बराबर याद करते रहना चाहिए। याद रखना भी पड़ता है जैसे यदि कोई नहाना-धोना भूल जाए तो रोग हो जाएगा। भोजन नहीं मिलेगा तो शरीर चलेगा नहीं। सेवा, नौकरी, कोई काम व्यापार नहीं करेगा तो कहां से खाएगाड़ तो यह चीज हो जाती है याद। अब बराबर आने-जाने से, ध्यान भजन पर बराबर बैठने से, यह याद हो जाता है।

जरूरी बातों को लिखकर रखो और लोगों को बराबर बताते, याद कराते रहो–*क्योंकि लिखकर नहीं रखोगे तो आप भी भूल जाओगे। जरूरी बातें जो ज्यादा जरूरी रोज की होती है, वह बातें छूट जाती है। नई-नई बातें आ जाती है। इसलिए जो जरूरी बातें हैं, उसको लिखकर रखो। और बराबर उसको याद कराते रहो। तो जब याद आया हनुमान को, का चुप साधि रहेहु बलवाना, पवन तनय बल पवन समाना, बुधि बिबेक बिग्यान निधाना। तब वह खड़े होकर ऐसे देखे, एकदम सक्रिय हो गए। ऐसी जब कोई चीज बताया जाता है की गुरु महाराज बड़ा मिशन हमारे-आपके लिए छोड़कर के गए, गुरु महाराज को आपसे उम्मीद रहा, आपको पढ़ाया-लिखाया, गुरु महाराज की दया से ही पढ़े-लिखे, गुरु महाराज की दया से ही धन-दौलत आपको मिला, गुरु महाराज के पास आने-जाने लगे तो घर बन गया, आपका स्तर वैसा नहीं था लेकिन वो स्तर भी हो गया। और आप गुरु के लिए क्या कर रहे होड़ गुरु के लिए कितना समय निकाल रहे होड़ तब कहते हो बताइए, अब क्या करना है। तब कहा जाता है, प्रचार करो, लोगों को जगाओ, शाकाहारी नशा मुक्त बनाओ, अपराधी प्रवृत्तियों से हटाओ, देश भक्ति, मानव भक्ति सिखाओ, देवी-देवता भगवान के प्रति आस्था पैदा करो, किसी की निंदा बुराई में लोग न फंसे, यह बात लोगों को बताओ। तो आपके अंदर जोश आता है,*

रह रही हैं घर से दूर, तो ऐसे सजाएं अपना कमरा

घर को तो आप सजाती ही होंगी, लेकिन अगर आप घर से दूर रह रही हैं तो अपने आशियाने को इस तरह सजाएं।

जब आप काम के सिलसिले में या पढ़ाई करने के लिए दूसरे शहर में जाती हैं तो आपको वहां पर घर से दूर किसी हॉस्टल के कमरे, पीजी या किराए के अपार्टमेंट में रहना पड़ता है। भले ही वह आपके लिए कुछ समय का ठिकाना हो, लेकिन फिर भी उसमें अपनेपन का अहसास होना बेहद जरूरी है। कुछ लड़कियों का तो घर से दूर नई जगह पर होमसिक फील करती हैं, ऐसे में वह अपनी पढ़ाई या काम में मन नहीं लगा पाती। इस समस्या का एक आसान तरीका है कि आप उस छोटे से आशियाने को अपने रंग में रंग दें।

जब बात किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने की बात आती है तो समस्या यह होती है कि आप उसे अपने मनमुताबिक रूप देना चाहती हैं, वहीं दूसरी ओर किसी दूसरे का घर होने के कारण आपके उपर बहुत सी बंदिशें होती हैं। आप कमरे का कलर अपनी पसंद का नहीं करवा सकतीं तो बहुत सी जगहों पर कील ठोकने और कुछ टांगने से भी मना किया जाता है। ऐसे में इन सभी लिमिटेशन का ध्यान रखते हुए आपको अपने कमरे को सजाना होता है। तो चलिए जानते हैं घर से दूर एक छोटे से घर को सजाने के कुछ आसान उपाय-

देखें कमरा

कमरे को सजाने से पहले जरूरी है कि आप पहले उसे अच्छे से देखें और समझें। इसका मतलब यह है कि कमरे को वास्तविकता में सजाने से पहले उसे अपने मन में सजाएं। इससे आपको समझ आएगा कि आपको कमरे को एक खूबसूरत लुक देने के लिए आपको किन चीजों की आवश्यकता होगी।

कम सामान

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल का कमरा सजाते समय कोशिश करें कि आप कम से कम सामान का इस्तेमाल करें। दरअसल, जब आप घर से दूर किसी जगह पर होते हैं तो वहां स्पेस कम होता है। इसके अलावा अगर आप पढ़ने के लिए गई हैं तो ज्यादा सामान रखने से आपका काफी सारा वक्त उसकी साफ-सफाई में ही निकल जाएगा और ज्यादा सामान की केयर करना भी कई बार मुश्किल होता है। इसलिए कोशिश करें कि आप कम सामान में अपने घर या कमरे को खूबसूरत बनाएं।

बजट का ख्याल

किराए के अपार्टमेंट या हॉस्टल के कमरे को सजाने के लिए किसी भी सामान को खरीदने से पहले बजट का ख्याल जरूर रखें। एक बात समझ लें कि आपको उस घर में कुछ वक्त के लिए रहना है और उसके बाद जब आप अपने घर वापिस लौटेंगी तो ढेर सारा सामान ले जाना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा अगर आप ओवर बजट शॉपिंग करती हैं तो आपको अपनी जरूरी चीजों में कटौती करनी पड़ेगी, जो वास्तव में आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

पर्सनल टच

अगर आप सच में किसी दूसरे के घर को अपना सा बनाना चाहती हैं तो उसमें पर्सनल टच अवश्य दें। आप अपनी फैमिली की एक बड़ी सी फोटो दीवार पर लगा सकती हैं। इससे आपके अपने दूर होकर भी आपके करीब रहेंगे और सिर्फ एक फोटो से पूरा कमरा ही बदल जाएगा।

अपनाएंगी यह ट्रिक्स तो आपस में नहीं उलझेंगी केबल्स

हम सभी के घर में कई तरह की केबल्स होती हैं। एक ही घर में कई फोन होते हैं और हर फोन के लिए चार्जर होता है। ऐसे में इन चार्जर की केबल्स से लेकर लैपटॉप की केबल और आईपैड आदि की केबल्स घर को काफी मैसी बना देती हैं। इतना ही नहीं, फोन के लिए भी अलग से इयरबड के साथ केबल्स मिलती हैं। ऐसे में जब इन्हें एक साथ रखा जाता है या फिर चार्जिंग की जाती है तो यह केबल्स आपस में उलझ जाती हैं। कुछ लोग इन केबल्स को सुलझाने के लिए इन्हें कभी-कभी जोर से खींचते हैं। ऐसे में इन केबल्स को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, इस कारण यह जल्दी खराब हो जाती हैं या टूट जाती हैं, तो फिर आपको फिर से नई केबल्स खरीदनी पड़ती हैं। वहीं, अगर वर्क टेबल पर यह केबल्स आपस में उलझी हुई रखी हों तो इसका विपरीत असर आपके काम पर भी पड़ सकता है। तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप इन केबल्स या तारों को बार-बार उलझने से बचा सकते हैं-

बनाएं चार्जिंग स्टेशन

यह एक सिंपल और बेहतरीन तरीका है अलग-अलग केबल्स को आपस में उलझने से बचाने का। अगर आप चाहें तो घर पर ही पुराने कार्डबोर्ड या फिर लकड़ी की मदद से एक चार्जिंग स्टेशन तैयार कर सकते हैं। यह चार्जिंग स्टेशन ना केवल आपके लैपटॉप से लेकर फोन तक की चार्जिंग को अधिक कन्विनियंट बनाएगा, बल्कि इससे आपकी वर्क टेबल भी अधिक आर्गेनाइज्ड लगेगी। इतना ही नहीं, चूंकि आप हर केबल के लिए एक अलग चार्जिंग प्वाइंट बनाएंगे तो आपको बार-बार चार्जिंग केबल्स ढूंढने में भी मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

लें बॉक्स का सहारा

अगर आपके घर में तरह-तरह की कई केबल्स हैं और इसलिए आप चाहकर भी उन्हें सही तरह से आर्गेनाइज नहीं कर पाती हैं या फिर वह इधर-उधर पड़ी रहती हैं और ऐसे में आपस में बार-बार उलझ जाती हैं। तो ऐसे में आप किसी पुराने बॉक्स का सहारा लें। आप कार्डबोर्ड की मदद से इसमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाएं। साथ ही इसे अधिक ब्यूटीफुल लुक देने के लिए आप इस पर कलर कर सकती हैं या फिर कलरफुल शीट को भी पेस्ट किया जा सकता है। इसके बाद आप इन कंपार्टमेंट में मार्किंग करें और इस तरह आप अलग-अलग केबल्स को रबर लगाकर इस बॉक्स में आसानी से रख सकती हैं।

पेपर रोल का करें इस्तेमाल

अगर आपके पास स्पेस कम है और ऐसे में आप एक बिग साइज बॉक्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं तो पेपर रोल का यूज भी किया जा सकता है। आप केबल्स को फोल्ड करके उस पर रबर लगा दें। इसके बाद पेपर रोल से उसे कवर कर दें। आप चाहें तो पेपर रोल के उपर भी एक रबर लगा सकती हैं। इसी तरह आप सभी केबल्स को रखें। एक छोटी सी ड्राअर में सभी केबल्स को आप आसानी से रख पाएंगी और वह आपस में टैंगल भी नहीं होंगी। (एक प्रोफेशनल की तरह करना है क्लिक तो इन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का लें सहारा)

बनाएं कलरफुल केस

अगर आप एक स्मॉल स्पेस में अपनी सभी केबल्स को टैंगल्स होने से बचाना चाहती हैं तो ऐसे में एक कलरफुल केस भी बनाया जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कॉर्ड आर्गेनाइजर केस आसानी से मिल जाएगा। जिसमें एक साथ कई केबल्स को रखने की सुविधा होती है। लेकिन अगर आप अतिरिक्त पैसे खर्च नहीं करना चाहती हैं तो घर पर भी इसे तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप किसी पुराने लेदर के कपड़े पर इलास्टिक स्टिच करें। पहले दोनों एंड्स से इलास्टिक को स्टिच करने के बाद एक-एक इंच की दूरी पर स्टिच करती जाएं। इस तरह केबल्स रखने के लिए अलग-अलग सेक्शन तैयार हो जाएंगे।

गंदा हो गया है ईयरफोन का वायर तो उसे ऐसे करें क्लीन

स्मार्टफोन को तो सभी क्लीन रखते हैं, लेकिन क्या आप ने ईयरफोन के वायर पर मौजूद गंदगी को साफ किया। अगर नहीं तो यहां बताई गई तरीको को जरूर आजमाएं।

रोजाना इस्तेमाल होने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जो गंदी हो जाने के बावजूद भी हम उसका इस्तेमाल करते रहते हैं। हालांकि, आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में छोटी-छोटी चीजों का ख्याल लोग नहीं रख पाते हैं।

जैसे ईयरफोन, जिसका इस्तेमाल ज्यादातर लोग रोजाना करते हैं। गाना सुनना हो या फिर बात करनी हो, इसकी जरूरत हमेशा पड़ती है। यही नहीं कई लोग इसे एक-दूसरे से एक्सचेंज भी करते हैं, जो कि पर्सनल हाइजीन के लिए बिल्कुल सही नहीं है। कुछ लोग ईयरफोन के रखरखाव का खास ख्याल नहीं रखते हैं। कुछ लोग इसे मोड़कर कहीं भी रख देते हैं, जिसकी वजह से धूल-मिट्टी चिपक जाती है। गंदा वायर और ईयरफोन देखने में अच्छे नहीं लगते हैं और पर्सनल हाइजीन के लिए भी सही नहीं है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ तरीके जिसकी मदद से आप वायर के साथ ईयरफोन को भी अच्छी तरीके से क्लीन कर सकती हैं।

ईयरफोन के वायर को ऐसे करें क्लीन

सबसे पहले इयरफोन वायर को क्लीन करने की आवश्यकता है। ध्यान रखें कि वायर को पानी में नहीं डालना है बल्कि एक कपड़े की मदद से पोंछते हुए इसे साफ करेंगे। इसके लिए एक बाउल में पानी लें और उसमें डिशवॉश लिक्विड और विनेगर(विनेगर का इस्तेमाल) मिक्स कर दें। अब इन तीनों ही चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर घोल तैयार करें। अब एक कपड़ा लें और उसे मिश्रण में डिप करें और ईयरफोन के वायर को पोंछें। ध्यान रखें कि एक बार पोंछने के बाद कपड़े के दूसरे साइड से इसे दोबारा पोंछें। इस दौरान पानी की एक भी बूंद ना स्पीकर और ना ही बड्स पर गिरनी चाहिए, वरना ईयर फोन खराब हो सकता है।

ईयरफोन बड्स को क्लीन करने का तरीका

बड्स की क्लीनिंग पानी या फिर किसी भी तरह के लिक्विड से नहीं की जा सकती है। एक बूंद भी अंदर जाने के बाद बड्स पूरी तरह से खराब हो सकते हैं। इसके लिए ईयरबड्स लें और उसकी मदद से सफाई करें। इसके अलावा ऊपर वाले हिस्से को कपड़े से पोंछ दें। बड्स को क्लीन करते वक्त आप चाहें तो नेल पेंट रिमूवर (नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल) या फिर रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि आप ईयरबड्स की मदद से ही नेल पेंट रिमूवर और रबिंग अल्कोहल का इस्तेमाल करें।

हेडफोन या फिर ब्लूटूथ के वायर की सफाई

हेडफोन, ब्लूटूथ या फिर अन्य कोई वायर वाले गैजेट्स हैं, तो उन्हें हफ्ते में एक बार जरूर क्लीन करें। अगर आप इसे पानी या फिर अन्य लिक्विड वॉश से क्लीन नहीं करना चाहती हैं तो सिर्फ पेट्रोल की मदद से भी इसे क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए आप एक कपड़े में 5 से 6 बूंद पेट्रोल डालें और उसकी मदद से वायर को साफ कर दें। इयरफोन वायर और अन्य वायर वाले गैजेट्स को साफ करने का यह सबसे आसान और बेस्ट तरीका है।

बच्चा खाने-पीने में टालमटौल तो नहीं करता

वह समय बीत चुका है, जब पैरेन्ट अपने बच्चों को तोता-मैना की कहानी सुनाते हुए उन्हें खाना खिलाते थे। अब न तो उनके पास उन्हें कहानी सुनाने का टाइम है और न ही ढंग से खाना खिलाने का। वैसे आजकल बच्चे प्राय: खाने-पीने के मामले में बेहद चूजी होते जा रहे हैं। खाने को लेकर ये हमेशा नाक-भौं सिकोड़ते हैं। हालांकि यह आदत 2 से 10 साल तक के किशोर उम्र तक के बच्चों को ही रहती है। अगर ये आदतें आपके बच्चों में भी हैं तो पैरेन्ट्स होने के नाते आप सावधान हो जाएं! एक ताजा शोध के अनुसार बच्चों की इस आदत की वजह से उन्हें पेडिएट्रिकफीडिंग डिसऑर्डर की बीमारी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण बच्चों की खाने-पीने की आदतें बदलने लगती हैं, वे ज्यादा कैलोरी और पोषक तत्व वाले भोजन नहीं लेते, जो शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं। खाने-पीने की यह आदत एक आम बीमारी है, जो बच्चों को अकसर ऐसे माहौल में हो जाती है, जहां उन्हें तरह-तरह की खाने की चीजें मिलती हैं।

हालांकि देखा गया है कि अधिकांश बच्चे बहुत कम खाना खाते हैं या अपनी मनपसंद की चीजें ही खाने में रुचि लेते हैं। जिसकी वजह से वह बिना पोषक तत्व वाले भोजन से ज्यादा कैलोरी लेते हैं। आजकल बच्चे घर में बनी या मार्केट की कुछ निश्चित फास्ट फूड ही लेना पसंद करते हैं, जो टेस्टी तो होते हैं, लेकिन न तो वे पौष्टिक होते हैं और न ही हेल्दी डाइट। जिसकी वजह से बच्चों को शारीरिक विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाता है।

मां है जिम्मेदार

बच्चों की इस आदत पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार इस आदत के लिए 80 फीसदी तक बच्चे की मां जिम्मेदार होती है। बच्चों की इस आदत की वजह से उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। बच्चों को पुरानी बीमारी लग सकती है। उन्हें मोटापा, खाने-पीने की आदतों में कमी, शरीर में पोषक तत्वों की कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

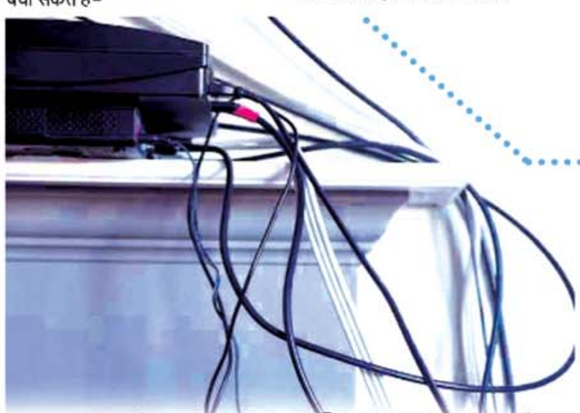

कमरों में फैली तारों को छिपाने के लिए अपनाएं यह आसान हैक्स

किसी भी घर में इलेक्ट्रिसिटी से लेकर पानी की व्यवस्था करने के लिए कई तरह की तारों का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं, घर में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का भी इस्तेमाल किया जाता है और उसके वायर भी कमरे में चारों तरफ नजर आते हैं। इनका इस्तेमाल करना घर में बेहद जरूरी होता है, लेकिन एक सच यह भी है कि यह तारें आपके कमरे की खूबसूरती में एक धब्बे की तरह है।

आप भले ही कमरे को कितना भी खूबसूरती से सजाएं, लेकिन दीवार के चारों ओर तार फैले हुए नजर आते हैं तो यह काफी अजीब लगते हैं और फिर आपके कमरे को वह परफेक्ट लुक नहीं मिल पाता, जो वास्तव में मिलना चाहिए। हालांकि आप अपने घर को वायर-फ्री तो नहीं कर सकतीं, लेकिन फिर भी अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसे में आप उन वायर्स को बेहद ही खूबसूरती से हाइड कर सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको घर में इस्तेमाल होने वाले वायर्स को हाइड करने के कुछ आसान व इनोवेटिव तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

किताबों की लें मदद

अगर आपके टीवी के नीचे टेबल पर वायर नजर आ रही हैं तो इसके लिए आप किताबों की मदद ले सकती हैं। इसके लिए आप टीवी के नीचे की टेबल पर किताबें एक साथ रखें और उसके पीछे वायर हों। टेबल पर रखी किताबें देखने में भी अच्छी लगेंगी और किसी को यह पता भी नहीं चलेगा कि उसके पीछे वायर हैं। बेडरूम की दीवारों को सजाएं रोमांटिक अंदाज में

बनाएं कवर

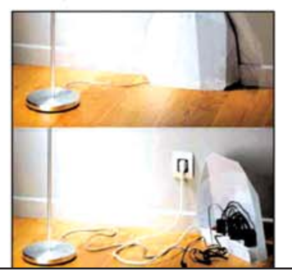

अगर आप अपने कमरे में मौजूद वायर को आसानी से छिपाना चाहती हैं, साथ ही अपने कमरे की खूबसूरती को बढ़ाना चाहती हैं तो इसके लिए आप वायर्स के लिए कवर बनाएं। मसलन, आप एक बुक को बीच में से खाली करें और उसके उपरी कवर को वायर का कवर बनाएं। इसी तरह आप गिफ्ट बॉक्स को भी बतौर वायर कवर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस साल ये 7 इंटीरियर्स डिजाइन आपके घर को देंगे एक क्लासिक लुक

दें खूबसूरत लुक

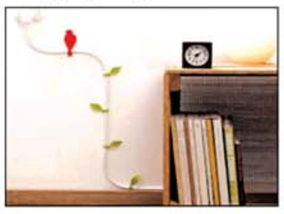

सुनने में आपको शायद अजीब लगे लेकिन अगर आप अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करती हैं तो कमरे में मौजूद वायर्स को ही रूम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं। इसके लिए आप पहले वायर्स को दीवार पर केबल वायर नेल्स की मदद से सिक्योर करें। इसके बाद आप हर केबल वायर नेल्स के साथ कोई भी खूबसूरत ड्राइंग बनाएं। आप दीवार पर पक्षी से लेकर खूबसूरत पत्तियां आदि बना सकती हैं।

स्मार्टली करें कवर

भले ही आपके कमरे में कितने भी वायर हों, आप उन्हें बेहद स्मार्ट तरीके से आसानी से कवर कर सकती हैं। मसलन, आप आईसक्रीम स्टिक या लकड़ी की मदद से टेबल के कोनों में एक कवर बना सकती हैं। यह देखने में भी अच्छा लगता है और इसके पीछे वायर्स को आसानी से रखा जा सकता है। इसी तरह अगर आप मल्टीप्लग का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसके साइज के अनुसार उसके लिए एक कवर बनाएं। अब आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कई घरेलू समस्याओं के लिए एक समाधान सिलिका जेल

अगर आपने ध्यान दिया होगा तो, आप जब भी नए बैग्स, जूते, पर्स या कपड़ा खरीदते हैं, तो उसमें आपको एक छोटा सा पैकेट जरूरत मिलता होगा। उस पैकेट को 'सिलिका जेल' कहा जाता है। अक्सर इस पैकेट को बेकार समझ के लगभग हर कोई फेंक देता है, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि आखिर इन सामानों में इस पैकेट को क्यूं रखा जाता है और इसका अन्य कामों में किस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

अगर आप भी सिलिका जेल के फायदों के बार में जान जाएंगे तो आज के बाद से उसे फेंकने से पहले कई बार सोचेंगे, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको सिलिका जेल के उपयोगों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप कई घरेलू समस्याओं को चुटकियों में दूर कर सकते हैं-

कपड़ों को रखता है सुरक्षित

ठण्ड के मौसम में अक्सर कपड़ों में नमी हो जाती है और कई बार कपड़ों से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में सिलिका जेल बहुत ही उपयोगी हो जाता है। आपको बात दें कि सिलिका जेल कपड़ों में मौजूद मॉइश्चराइजर को दूर रखता है और आपके कपड़े में होने वाली नमी और बदबू से भी दूर रखता है। आप जहां भी कपड़े रखते हैं वहां इस पैकेट को रख दीजिए, इससे आपका कपड़ा हमेशा फ्रेश रहेगा।

मेकअप बैग में भी रखें

महिलाएं भी इसको मेकअप बैग में रख सकती हैं। कई बार मेकअप रखे-रखे बैग में चिपचिपाहट होने लगता है, और कई बार मकेअप प्रोडक्ट्स भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में इस समस्या को दूर करने के लिए सिलिका जेल का इस्तेमाल कर सकती है। इसके उपयोग से मेकअप बैग के साथ-साथ आपका मेकअप सामान भी सुरक्षित रहेगा।

किताबों का रखता है ख्याल

अमूमन हम कई महीनों तक किताब को हाथ तक भी नहीं लगाते हैं और वो वहीं के वहीं रखे रहते हैं। कई महीनों तक रखे-रखे इन बुक्स में पीलापन नजर आने लगता है। इस पीलेपन को दूर करने के लिए आप सिलिका जेल को रख सकते हैं।

बुक्स के साथ-साथ आप महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट्स जैसे पासपोर्ट, बर्थ सर्टिफिकेट, गाड़ी या घर के पेपर आदि स्थानों पर भी इस जेल को रख सकते हैं।

अंतरिम बजट नारी शक्ति के उत्थान तथा सशक्तिकरण विकास में मील का पत्थर साबित होगा : सांसद संध्या श्रीमती राय

सांसद ने प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री का आभार व्यक्त किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिण्ड दतिया लोकसभा संसदीय क्षेत्र से श्रीमती संध्या राय ने लोकसभा सदन में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट को महिलाओं युवाओं एवं किसानों एवं आमजन से जुड़े हुए महत्वपूर्ण विकास को दिशा से ले जाने के लिए जान हितैषी बजट बताया। और कहा कि यह बजट विकसित भारत की कल्पना को सरकार करेगी जिसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए आभार व्यक्त करती हूं।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद संध्या राय ने अंतरिम बजट को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,केन्द्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और केन्द्र सरकार का अभिनंदन किया है। उन्होंने कहा कि,यह बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने देश की जो चार जातियां किसान,महिला,युवा और गरीब% बताई हैं, यह बजट उनके जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला है। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि,मोदी सरकार का यह बजट नारी शक्ति के उत्थान तथा विकास में मील का पत्थर साबित होगा। बहनों के जीवन में बदलाव लाने 3

करोड़ लखपति दीदी बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, वह महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा बजट पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, इससे हमारे देश की सुरक्षा तथा विकास को और मजबूत गति मिलेगी। यह बजट प्रधानमंत्री की समस्त गारंटियों को पूर्ण करने वाला बजट है। मैं केन्द्रीय वित्तमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर चलकर सबके कल्याण का बजट पेश किया है। सांसद श्रीमती राय ने कहा कि हमारी सरकार में 1.4 करोड़ युवाओं को सिकल इंडिया मिशन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम स्वार्निधि योजना के अंतर्गत 78 लाख स्ट्रीट वेंडरों को ऋण सहायता प्रदान की गई है उनमें से कल 2.3 लाख को तीसरी बार ऋण प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा लखपति दीदी योजना को बढ़ावा देने के लिए 2 करोड़ से बढ़कर 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का निर्णय लिया है जो कि हमारे पूरे भारत की महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगी महिलाओं के प्रति भारतीय जनता पार्टी की सरकार संवेदना सेल है और उन्होंने पहली बार महिलाओं के लिए इस प्रकार की योजना लाकर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है। इस योजना से महिलाओं के जीवन में एक बदलाव और आत्मनिर्भरता आई है। उन्होंने कहा हमारी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में करीब 25 करोड़ लोग एक गरीबी से बाहर निकले हैं यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक उपलब्धि है जिन्होंने गरीब से गरीब व्यक्ति को अपनी योजनाओं के माध्यम से बाहर निकलने का कार्य किया। आज वह स्वयं आत्मनिर्भर विकास की मुख्य धारा से जुड़ चुके हैं।श्रीमती राय ने कहा कि इस बजट में 11.8 करोड़ किसानों को पीएम किसान सम्मन निधि योजना का लाभ मिला है 4 करोड़ से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना का फायदा मिला।

मंहगाई और बेरोजगारी को बढ़ाने वाला बजट है : डा. भारद्वाज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस प्रवक्ता डा.अनिल भारद्वाज ने केंद्र की मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंतिम आम बजट को दिशाहीन, प्रतिगामी, विकास अवरोधी और आम आदमी के हितों के खिलाफ देश में मंहगाई और बेरोजगारी को बढ़ाने वाला बताया है । श्री भारद्वाज ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा केंद्र ने अपनी हठधर्मिता का परिचय देते हुए जो आम बजट प्रस्तुत किया है वो बिलकुल दिशाहीन, प्रतिगामी,विकास अवरोधि , महगाई बेरोजगारी और देश की आर्थिक वृद्धि पर चोट पहुंचाने वाला बजट है। उन्होंने कहा वित्त मंत्री के द्वारा बजट में आंकड़ों की बाजीगरी कर घुमाकर नाक पकड़ने का काम किया है। लगातार की जा रही कोरी घोषणाओं तथा जुमलेबाजी और अपने चहेते उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने वाले बजट में वित्तीय प्रबंधन का नितांत अभाव है।जिससे देश वासियों पर मंहगाई और युवाओं को बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ेगी।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

पुष्पांजली टुडे

दमोह । छापरी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। भागवत कथा के पहले दिन दोपहर में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी का गांव के लोगो ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया।श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन शुक्रवार को पहले दिन कलश यात्रा निकालकर हुआ। इस दौरान गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें शामिल कन्याएं व महिलाएं सिर पर कलश लिए हुए आगे चल रहीं थीं। वहीं डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर युवा पूरे रास्ते थिरकते नजर आए।कलश यात्रा के दौरान रास्ते में प?ने वाले सभी मंदिरों पर परीक्षित द्वारा पूजा-अर्चना की गई। उसके बाद कथा का शुभारंभ हुआ।कथा प्रारंभ करते हुए किशोरी वैष्णवी गर्ग ने बताया कि मनुष्य को पुण्य उदय से ही कथा का श्रवण का अवसर प्राप्त होता है। पहले दिन की कथा में भागवत के महत्व व्यास द्वारा भागवत की रचना सुखदेव जी के जन्म और नारद जी की पूर्व जन्म की कथा विस्तार से वर्णन किया। कथा 02 फरवरी से 08 फरवरी तक चलेगी। इस मौके पर मुख्य श्रोता चंद्रिका प्रसाद श्रीमती प्रयागरानी ,कोमल सिंह एवम समस्त ग्राम वासियों कि उपस्थिति रही।

देवेंद्र नगर बालक उच्च माध्य विद्यालय में मौत के साए में बच्चे पढ़ने को मजबूर

सालों से खोखली हो चुकी दीवार की मरम्मत न होने से बड़ी दुर्घटना की आशंका

मनीष कुमार पटेल की पुष्पांजली टुडे खबर

देवेंद्र नगर बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इन दिनों प्रभारी प्राचार्य ऊषा तिवारी के नेतृत्व में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है जहां सूत्रों की माने तो प्राचार्य कमीशन के चक्कर में अपने कर्तव्य को भूल कर केवल पैसा कमाने की जुगत में लगी रहती है वही अब तो हद ये है कि बीते एक वर्ष से मुख्य भवन की लैब की दीवार की ईंटें गल कर गिर चुकी है जिससे कभी भी दीवाल धसकने से छत गिरने की आशंका बनी हुई है परंतु मजाल कि प्राचार्य सहित जिले के मखमली सीट पर बैठने वाले आला अधिकारियों की नजर इस पर गई हो।

ऐसा नहीं है की जिला शिक्षा अधिकारी और जिला सीईओ को इसकी जानकारी नहीं है परंतु इनमे से शायद किसी में वो इच्छा सक्ति या ताकत नही है की प्राचार्य को मरम्मत के लिए निर्देशित कर बच्चो और शिक्षकों को जान सुरक्षित करवा सकें।वरना और क्या वजह हो सकती है की सालों से खोखली पड़ी दीवार अपने मरम्मत का बाट जोह रही है।

क्या किया जा सकता था

1.विद्यालय में लगभग हर वर्ष कंटेंजेंसी मद में लगभग 75000 रुपए की राशि आती है जिसका उपयोग इस दुर्घटना संभावित दीवाल की मरम्मत में किया जा सकता था

2. शाला प्रबंधन समिति के प्रस्ताव के आधार पर विभागीय इंजीनियर द्वारा स्टीमेट बना कर राशि स्वीकृत करवा कर मरम्मत कार्य किया जा सकता था

3. विद्यालय में एक्टिविटी फंड के नाम पर बच्चों से ली जाने वाली राशि से भी इस कार्य को करवाया जा सकता था

4. दुर्घटना संभावित स्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी या जिला सीईओ अपने मद से इस कार्य को करवा सकते थे

मौत की दीवाल का ये वर्षो से स्वरूप यथावत क्यों?

जिस प्राचार्य को इसपर संज्ञान लेकर उपलब्ध मदो का उपयोग कर दीवाल की मरम्मत करनी चाहिए वो अपनी धन लोलुपता और शिक्षा, सुरक्षा के कार्यों के इतर अन्य विषयों में रुचि के चलते सैकड़ों जानों को खतरे में डाले हुए हैं। ऐसा भी नहीं है की अन्य मरम्मत कार्य हुए है माध्यमिक सेक्शन की कक्षाओं की फर्श अपनी बदहाली पर आंसू बहाती दिख रही है पर उनका भी जीर्णोधार आज तक नही हुआ और नौनिहाल बालू और कचरे के बीच बैठ कर पढ़ने को मजबूर हैं।इसके अलावा जिले के शिक्षा अधिकारी और जिला सीईओ की अरुचि और ढुलमुल रवैए का लाभ भी प्राचार्य की लापरवाह रवैए की हौसला अफजाई के लिए काफी दिखता प्रतीत होता है।

किसने क्या कहा-मैंने कई बार जिले के अधिकारियों को मरम्मत के लिए कहा है लेकिन विभागीय इंजीनियर गौर साहब ने ध्यान नहीं दिया अगर कोई दुर्घटना होती है तो मैं नही बल्कि गौर साहब सहित जिले के एडीपीसी रवि प्रकाश खरे,जिला शिक्षा अधिकारी,जिला सीईओ इसके जिम्मेदार होंगे

उषा तिवारी
प्रभारी प्राचार्य
सा.उच्च.माध्यमिक विद्यालय देवेंद्र नगर

मैं माध्यमिक खंड तक का इंजीनियर हूं 9 से 12 तक के विद्यालयों के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जिम्मेदार होते है फिर भी 5 माह पूर्व पत्रकारों की सूचना पर में और मेरे साथ एडीपीसी रवि प्रकाश खरे सर सहित पूरी टीम प्राचार्य ऊषा तिवारी जी को कार्य करने के लिए निर्देशित करके आए थे सारे मद उपलब्ध होने के बाद भी उन्होंने नही कराया तो इसके लिए वही जिम्मेदार हैं।

गौर
विभागीय इंजीनियर
जिला शिक्षा विभाग पन्ना

अभी 26 जनवरी का कार्यक्रम विद्यालय परिसर में हुआ सारे अधिकारी मौजूद थे किसी ने इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जबकि अगर दीवाल ढही तो छत भी गिरेगी जिससे कई लोगों को जान माल का नुकसान हो सकता है यह दीवाल पिछले एक वर्ष से ऐसी ही स्थिति में है कोई सुनने वाला नहीं है

देशराज कुशवाहा
स्थानीय निवासी
देवेंद्र नगर

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कोटा और थाना प्रभारी कोटा ,के द्वारा आपकी पुलिसज्आपके द्वार अभियान के अंतर्गत चलित थाना लगाकर, निजात अभियान चलाया गया

चलित थाना एंव निजात अभियान कार्यक्रम में एसडीओपी कोटा, व थाना प्रभारी,पुलिस स्टाफ, ग्राम करगीकला के सरपंच/पंचगण एवं करगीकला स्कूल के प्रधान पाठक/स्टॉफ तथा गांव के सैकड़ो की तादातड़् में ग्रामजन एंव स्कूल के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

बिलासपुर। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह के द्वारा बिलासपुर जिले में चलित थाना लगाने तथा निजात अभियान लगातार चलाने निर्देशित किया गया है। जिसके अंतर्गत लोगों की समस्या का तत्काल निराकरण करने तथा नशा मुक्ति हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अर्चना झा एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोटा टी.एस.नवरंग के नेतृत्व में थाना कोटा क्षेत्र में लगातार निजात कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके परिप्रेक्ष्य में ग्राम करगीकला में एसडीओपी कोटा सिद्धार्थ बघेल एंव थाना कोटा थाना प्रभारी द्वारा आपकी पुलिसज आपके द्वार अभियान के अंतर्गत चलित थाना लगाकर तथा निजात अभियान जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें नारकोटिक्स/ड्रग्स एवं अवैध नशे के खिलाफ कार्यवाही करने एवं नशे में होने वाले अपराध तथा नशे से होने वाले नुकसान से संबंधित जानकारी के बारे में बताया गया। इसके साथ ही साथ थाना प्रभारी कोटा टी.एस.नवरंग के द्वारा आपकी पुलिसज आपके द्वारा के अंतर्गत गांव के सरपंच एवं ग्रामीणों से थाने से संबंधित कोई भी शिकायत/समस्या के संबंध में भी जानकारी लिया गया एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल मोबाइल नंबर के माध्यम से अवगत कराने कहा गया तथा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कोटा सिद्धार्थ बघेल द्वारा बच्चों एंव महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध तथा अपराध से बचने के उपाय, यातायात जागरूकता एवं लगातार हो रही साइबर ठगी के संबंध में भी जानकारी देकर साइबर ठगी से बचने का उपाय तथा अन्य कानूनी के संबंधी में जानकारी दिया गया।निजात कार्यक्रम में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कोटा सिद्धार्थ बघेल, थाना प्रभारी कोटा टी.एस.नवरंग एवं थाना स्टाफ, ग्राम करगीकला के सरपंच रामकुमार जगत, उप सरपंच देवेंद्र साहू, एवं पंचगण, स्कूल के प्रधान पाठक विनोद दीक्षित एवं स्टॉप तथा ग्राम के सैकड़ो के तादाद में ग्रामीणजन व स्कूल के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

लाइनमैन के सेवानिवृत्त होने पर स्टाफ के कर्मचारियों ने किया विदाई समारोह आयोजित

बैरसिया।। बिजली कर्मचारी लाइनमैन प्रेम नारायण सैनी के सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी गई। लाइनमैन सैनी की नियुक्ति साल 1989 के दरम्यान हुई थीं और 31 जनवरी 2024 को विद्युत वितरण केंद्र बैरसिया से सेवानिवृत हुए।लगातार करीब 34 साल 6 माह का कार्यकाल को पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूर्ण कर रिटायर हुए। श्री सैनी ने बिजली विभाग में नौकरी कर अपने सारे कर्तव्यों का निर्वहन किया। बैरसिया विद्युत मंडल कार्यालय पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन बिजली कंपनी के समस्त कर्मचारियों के द्वारा रखा गया। सभी स्टाफ की ओर से प्रेम सैनी को पुष्प मालाएं पहनाकर शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर बिजली कंपनी के एई हेमंत डहेरिया ने कहा कि प्रेम सैनी ने अपनी सेवाएं पूरी ईमानदारी और लगन से दी उनका कार्यकाल सराहनीय रहा।

कलेक्टर ने सक्ती और मालखरौदा विकासखंड के पी एम श्री स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

सक्ती, कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने आज सक्ती विकासखंड के कसेरपारा वार्ड क्रमांक 1 स्थित पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला व परसदाखुर्द के पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय और मालखरौदा विकासखंड के पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला कुरदा का औचक निरीक्षण किया द्य निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों को मन लगाकर पड़ाई करने के लिए प्रेरित कियाद्य उन्होंने स्कूली बच्चों से कुछ सवाल जवाब करते हुए उन्हें प्रोत्साहित कियाद्य इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को अध्यनरत बच्चो को वर्णमाला और अंकीय जानकारी में दक्ष बनाने के लिए नवाचारी ढंग से पड़ाई कराने कहा जिससे उनका बेहतर विकास हो सकेद्य कलेक्टर ने इन पी एम श्री स्कूलों का निरीक्षण करते हुए शासन के मापदंड और दिशानिर्देश के अनुरूप शिक्षण व्यवस्थाओं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दियेद्य निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी एल खरे, बीईओ श्री के पी राठौर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण,आवश्यक तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने आज जांजगीर-चांपा जिले में 10, 11 और 12 फरवरी को आयोजित होने वाले जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2024 के सफल आयोजन के लिए हाईस्कूल मैदान जांजगीर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बैठक व्यवस्था, टेन्ट व्यवस्था, मेला स्थल, किसान सम्मेलन कार्यक्रम, मीना बाजार, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, प्रवेश द्वार, निर्गम द्वार, बायो टायलेट, विभिन्न विभागों व निजी संस्थानों द्वारा लगाए जाने वाले स्टाल की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री एस पी वैद्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल सोनी, डिप्टी कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर, कृषि विभाग के उप संचालक श्री एम डी मानकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने में सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारी अपनी भूमिका निभाएं - कलेक्टर

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने सेक्टर अधिकारियों की ली बैठक

-मनेन्द्रगढ़ - जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज निर्वाचन कार्य से संबंधित सभी सेक्टर ऑफिसर की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने जिले में आगामी लोक सभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी सेक्टर ऑफिसर सहित सभी संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को अपने-अपने संबंधित कार्य पूरी जिम्मेदारी से करने कहा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान करवाने के साथ ही अपने मताधिकार का उपयोग करना भी जरूरी है। जिसके लिए निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी कर्मचारी आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने मताधिकार का उपयोग भी जरूर करें। बैठक में कलेक्टर ने निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों कर्मचारियों को चुनावी कार्यों में पूरा ध्यान लगाते हुए बिना किसी चूक के कार्य करने कहा है। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारी अपनी वाणी का भी ध्यान रखें एवं अनावश्यक लापरवाही कर किसी प्रकार की कोई समस्या को आमंत्रण ना दें। बैठक में कलेक्टर ने सभी सेक्टर ऑफिसर से उनके संबंधित मतदान केंद्रों के निरीक्षण के दौरान एप्रोच रोड, भवन की स्थिति, पेयजल, शौचालय, सहित अन्य आवश्यक जानकारी ली तथा अभी भी मतदान केंद्रों में किसी भी प्रकार की आधारभूत आवश्यकता की कमी होने पर तत्काल जानकारी दिए जाने को कहा। कलेक्टर ने सभी सेक्टर आफिसर को अपने-अपने निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रूट चार्ट सहित अन्य आवश्यक जानकारी स्पष्ट रखते हुए कार्य करने कहा।उक्त में बैठक अपर कलेक्टर व उप जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल सिदार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनेन्द्रगढ़ अभिलाषा पैकरा, संयुक्त कलेक्टर लिंगराज सिदार एवं जिले के समस्त सेक्टर अधिकारी सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

लिव इन में रहने प्रेमी जोड़े ने मांगी सुरक्षा, कोर्ट ने पहले दो का पहाड़ा सुना फिर कहा...

ग्वालियर । हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में प्रेमी युगल ने सुरक्षा मांगने याचिका लगाई तो सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने प्रेमी जोड़े की गणित की क्लास ले ली । दरअसल मुरैना के एक प्रेमी युगल ने लिव इन रिलेशनशिप में होते हुए हाई कोर्ट में अपने स्वजनों से प्रोटेक्शन मांगते हुए याचिका लगाई। युवक की उम्र 21 वर्ष के करीब थी तो वहीं युवती 20 वर्ष की थी।

कोर्ट ने सुना पहाड़ा-हाईकोर्ट ने पूछा कि प्रेम तो करते हो पढ़ाई लिखाई भी की है? इस पर दोनों ने हामी भर दी। फिर क्या जस्टिस आनंद पाठक ने प्रेमी युगल की गणित की क्लास लगा दी। युवक से दो का पहाड़ा पढ़ने को कहा तो उसने हाईकोर्ट को पहाड़ा सुना दिया, वहीं जब युवती का नंबर आया तो उससे पूछा कि कितनी पढ़ी हो, जिस पर युवती ने आठवीं पास होना बताया। वहीं जब जस्टिस पाठक ने उससे चार गुणा चार का जवाब मांगा तो युवती जवाब नहीं दे सकी।

हाईकोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता रविंद्र दीक्षित की मौजूदगी में दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले को 15 फरवरी के लिए स्थगित कर दिया है, अब आगे की सुनवाई 15 फरवरी को होगी।

14 फरवरी को शादी करो-सभापति और पार्षद के साथ घूमे निगमायुक्त, संजीवनी क्लीनिक में सीलन पर जताई सभापति और पार्षद के साथ घूमे निगमायुक्त, संजीवनी क्लीनिक में सीलन पर जताई नाराजगी

हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि लिव इन का कल्चर मुरैना जिले में भी दिखने लगा है, लेकिन लिवइन में रहते हुए याचिका पर सुनवाई करते हुए सुरक्षा नहीं दी जाएगी, पहले प्रेमी युगल 14 फरवरी को बसंत पंचमी के मौके पर शादी करें, तब हाईकोर्ट के समक्ष पेश हों। शादी के बाद 15 फरवरी को सुरक्षा याचिका पर सुनवाई की जाएगी।

मुरैना से तीन और जोड़ों ने मांगी सुरक्षा-सिर्फ मुरैना जिले से तीन और प्रेमी युगलों ने सुरक्षा मांगते हुए याचिका लगाई है। शुक्रवार को हाई कोर्ट ने मामलों की सुनवाई करते हुए एक मामले को तो चार सप्ताह बाद की तारीख दी है।

सभापति और पार्षद के साथ घूमे निगमायुक्त, संजीवनी क्लीनिक में सीलन पर जताई नाराजगी

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने गुरुवार को सभापति मनोज सिंह तोमर एवं पार्षद जितेंद्र मुद्गल के साथ उनके वार्डों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। वार्ड क्रमांक 47 में निरीक्षण के दौरान जहां लक्कड़खाना रोड पर वाहनों की धुलाई से हो रही गंदगी पर उन्होंने सेंटर को बंद कराने के निर्देश दिए। वहीं संजीवनी क्लीनिक में निरीक्षण के दौरान दीवारों में आ रही सीलन पर नाराजगी जताते हुए इसे ठीक कराने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने गुढ़ा-गुढ़ी का नाका पर सड़क निर्माण कार्य के बाद जलभराव की स्थिति निर्मित न होने के निर्देश दिए। न में रहने प्रेमी जोड़े ने मांगी सुरक्षा, कोर्ट ने पहले दो का पहाड़ा सुना फिर कहा...

निगमायुक्त ने लक्कड़खाना रोड पर निरीक्षण कर नाले की जाली का स्थाई निराकरण करने के निर्देश दिए। पार्षद जितेंद्र मुद्गल ने क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की समस्या से अवगत कराया, जिस पर

निगमायुक्त ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। क्षेत्रीय कार्यालय 20 का निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त ने यहां आने वाले आवेदनों के पंजीयन की व्यवस्था पहले रजिस्टर में करने और फिर कंप्यूटर में चढ़ाने के निर्देश दिए। लक्कड़खाना स्थित संजीवनी क्लीनिक की दीवारों में सीलन दिखने पर निगमायुक्त ने इंजीनियरों से सवाल किए। इंजीनियरों का कहना था कि ये पुरानी दीवारें हैं, जिन्हें काफी पहले बनाया गया है। इस पर निगमायुक्त ने कहा कि इलाज कराने आने वाले लोगों को सीलन भरे माहौल में बैठना होगा। ऐसे में इसे जल्द से जल्द ठीक कराकर क्लीनिक हैंडओवर भी किया जाएगा। इस दौरान पार्षद ने निगमायुक्त से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय में जनमित्र केंद्र के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है, लेकिन वर्तमान में जनमित्र केंद्र ढाई किलोमीटर दूर है। इससे लोगों को परेशानी होती है। इस पर निगमायुक्त ने जनमित्र केंद्र को शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। वहीं माधौगंज थाने के पास मूत्रालय के लिए वार्ड समिति निधि से 15 लाख रूपये प्रदान करने पर भी सहमति दी गई।

टेबल की हालत खराब देख कायाकल्प टीम के सदस्य डाक्टर से बोले... कैसे करते हो मरीज का परीक्षण

ग्वालियर, । कायाकल्प अभियान के तहत गुरुवार को कायाकल्प मापदंडों को लेकर फाइनल असेसमेंट के लिए जबलपुर से आई दो सदस्यीय टीम ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला अस्पताल के मेडिसिन कक्ष 105 में टेबल की हालत देख टीम सदस्य डा. संजय जैन ने कहा कि ऐसे में कैसे करते हो मरीज का परीक्षण तो डाक्टर जवाब नहीं दे पाए। कायाकल्प अभियान के तहत फाइनल असेसमेंट के लिए गुरुवार सुबह 10 बजे जबलपुर से आए डा. संजय जैन व अंजू कुशवाह नर्सिंग आफिसर ने जिला अस्पताल और जच्चाखाने का निरीक्षण किया। सबसे पहले टीम अस्पताल के मुख्य द्वार पर पहुंची। जहां सुरक्षाकर्मी से उनका पहचान पत्र दिखाने को कहा। सुरक्षाकर्मी पहचान पत्र नहीं दिखा पाया। इसके बाद टीम पर्चा बनाए जाने वाले स्थल पर पहुंची। यहां पहुंचकर टीम ने कर्मचारियों ने पूछा क्या सिस्टम है कैसे पर्चे बनाते हो। कर्मचारियों ने टीम को पूरी जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मौजूद टीम ने हाथ धोने के छह क्रम के बारे में पूछा तो पैथोलाजी टेक्नीशियन ने संतुष्टी भरा जबाव दिया। मेडिसिन की ओपीडी में जब टीम पहुंची तो व्यवस्था देखकर हैरान रह गई। यहां सभी डाक्टर्स एक साथ बैठे थे और उनके पास एक खराब टेबल पड़ी थी। जबकि कायदे से यहां अच्छी टेबल होना चाहिए थी। सात घंटे निरीक्षण के बाद दस्तावेजों का परीक्षण टीम ने किया। इसके बाद बैठक भी चली, जिसमें अस्पताल के रिकार्ड भी देखे। कायाकल्प अभियान के बाद एनक्वास योजना में जिला अस्पताल को दावा पेश करने के लिए भी कहा गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डा. आरके शर्मा, आरएमओ डा. आलोक पुरोहित, सहायक मैनेजर डा. राजेश बिरथरिया, एम कोआर्डिनेटर एवं इंटरनल ऐसेसर अलका शिव, इंटरनल ऐसेसर खुशबू तिवारी, मेट्रन ज्योति शर्मा और मीना शर्मा, स्टीवर्ट अलख सक्सेना और संदीप प्रधान उपस्थित थे।

टीम सदस्य ने कहा.. इससे इंफेक्शन का खतरा टीम सदस्य अंजू कुशवाह नर्सिंग आफिसर जब मेडिसिन वार्ड का निरीक्षण करने पहुंची तो उनको वार्ड में कुछ खुली ग्लूकोज बोतल मिली। जिनको इंजेक्शन में पानी के रूप में इस्तेमाल किए जाने की बात नर्सिंग स्टाफ ने कही। इस पर नर्सिंग आफिसर कुशवाह ने नाराजगी जताई और कहा कि इससे इंफेक्शन का खतरा हो सकता है। जिला अस्पताल की आर्थोपेडिक ओटी के आटोक्लेब में गदंगी देख उन्होंने कर्मचारियों ने तत्काल सफाई करने को कहा। मेडिसिन वार्ड में भर्ती एक महिला मरीज से पूछा की खाना मिलता है, तो मरीज ने कहा नहीं मिला। इस पर नर्सिंग स्टाफ का जवाब था कि यह आज ही भर्ती हुई है। कल से मिलना शुरू होगा। ऐसे में टीम सदस्या ने कहा मरीज को एक दिन भूखा रखोगे। ओपीडी में ट्रेसिंग रूम के बाहर माइनर ओटी लिखा था। टीम सदस्य डा. जैन कक्ष के अंदर पहुंचे तो उन्होंने पूछा आटोक्लेब कहां है। ऐसे में स्टाफ कोई जवाब नहीं दे पाया।

आर्थिक तंगी से जूझते बहदाल हो रही जेयू की करोड़ों की सौगातें

ग्वालियर। छात्रों को बेहतर शिक्षा और सुविधा देने का दावा करने वाले ए प्लस प्लस तमगाधारी जीवाजी विश्वविद्यालय जाने कौन सी नींद सो रहा है कि छात्रों से जुड़े अहम दो प्रोजेक्ट छह साल में भी शुरू नहीं कर पाया है। आर्थिक तंगी की मार झेल रहे स्विमिंग पूल और न्यू लाइब्रेरी का काम सालभर से ठप पड़ा हुआ है। छात्रों को स्विमिंग पूल और लाइब्रेरी के नाम पर बड़े-बड़े सपने तो दिखा दिए लेकिन छह साल में अब तक उन सपनों को साकार नहीं कर पाया। यह प्रोजेक्ट शुरू होने से लेकर आज तक कुलपति से लेकर कुलसचिव और भवन समिति के सदस्यों तक तमाम अधिकारी और पदाधिकारी बदल गए, सबके अपने नियम और अपने कायदे भी चले लेकिन इसके बावजूद भी अब तक कोई काम पूरा नहीं हो पाया। लाइब्रेरी पर तो फिर भी कारीगर कुछ न कुछ करते दिख जाते हैं लेकिन स्विमिंग पूल पर तो सालभर से ताला ही पड़ा हुआ है। इससे यह हो रहा है कि करोड़ों की सौगातें बदहाल पड़ी हुई हैं। अधिकारियों से सवाल-जवाब करो तो वह सिर्फ निराधार वादे कर बात को टाल देते हैं। छात्रों को यह सुविधा कब तक मिल पाएगी इसका जवाब किसी के पास नहीं है।जीवाजी विश्वविद्यालय के स्विमिंग

पूल का प्रोजेक्ट सिर्फ 60 लाख रुपये के उस एडवांस के चक्कर में अटका हुआ है जो संबंधित ठेकेदार ने मांगे थे। दरअसल, स्विमिंग पूल को प्रतियोगिताओं और प्रैक्टिस करने के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। इसमें लगभग सवा करोड़ रुपये का काम होना बाकी है। इसके लिए ठेकेदार ने 60 लाख रुपये एडवांस मांगे तो कार्यपरिषद सदस्यों ने यह कहते हुए भुगतान पर आपत्ति लगा दी कि स्विमिंग पूल डीपीआर के हिसाब से नहीं बना है। जब डीपीआर मांगी तो वह भी उपलब्ध नहीं करवाई गई जिससे लगभग सालभर से काम ठप है।

जीवाजी विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में भी फंड अटका-जीवाजी विश्वविद्यालय की नवीन लाइब्रेरी का प्रोजेक्ट पूर्व कुलपति संगीता शुक्ला के कार्यकाल का है। इतने लंबे समय में भवन तो लगभग बनकर तैयार हो चुका है लेकिन फिर भी कुछ ऐसे अहम काम पेंडिंग है जिनके लिए फंड जारी होना है। इस प्रोजेक्ट का भी फंड जब तक जारी नहीं होगा तब तक छात्रों को 24 घंटे खुलने वाली लाइब्रेरी नहीं मिल सकेगी।काफी समय से निर्माण कार्य रुका हुआ है, अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पूल बनाने की बात हुई थी लेकिन निर्माण प्रैक्टिस करने के स्तर का भी नहीं है। डीपीआर नहीं दी तो कार्यपरिषद में हमने भुगतान रोक दिया था।

अब कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन बात करने के बाद ही लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी तय करेगी कांग्रेस

ग्वालियर। विधानसभा चुनाव में कमलनाथ का फार्मूला फेल होने के बाद कांग्रेस अब कार्यकर्ताओं के मनपसंद प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव में मैदान में उतारने की रणनीति बनाई है। प्रदेश के सभी संसदीय क्षेत्रों में प्रदेश नेतृत्व लोकसभा क्षेत्रों से उम्मीदवारी घोषित करने के लिए कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह के साथ प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ग्वालियर-चंबल अंचल के तीनों संसदीय क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं व लोकसभा समन्वय समिति से चर्चा करने के लिए चार फरवरी को जिले में बैठक लेंगे। इससे पहले ग्वालियर लोकसभा के प्रभारी एवं पूर्व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव भी चर्चा कर चुके हैं। विधानसभा चुनाव में अलग-अलग स्तर पर कराये गये सर्वे के आधार पर प्रदेश की लगभग अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार घोषित किये थे। गिनती की

विधानसभा क्षेत्रों में प्रमुख नेताओं की पसंद को ध्यान में रखा गया था। कमलनाथ का सर्वे के आधार पर टिकिट देने का फार्मूला बुरी तरह से फेल हुआ। कांग्रेस बहुमत के आंकड़े तक पहुंचना तो दूर 100 के आंकड़े को पार नहीं कर पाई। अब कांग्रेस अपने परंपरागत फार्मूले को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी तय करने को आधार बनाएगी। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से वन-टू-वन चर्चा कर उम्मीदवारी तय की जायेगी। सेंट्रल पार्क में होगी बैठक, कार्यकर्ता सम्मेलन लोटस गार्डन में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डा. देवेंद्र शर्मा ने बताया कि चार फरवरी को दोनों अंचलों के संसदीय क्षेत्रों के समन्वय समिति की बैठक प्रदेश प्रभारी व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष अलग-अलग बैठक लेंगे। इन बैठकों के उपरांत दोपहर दो बजे सचिन तेंदुलकर मार्ग पर स्थित गोल्डन लोट्स में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। बैठक को तैयारियां शुरू हो गई हैं।

ये कैसा अस्पताल..दर्द से कराहते मरीजों को चादर मिल रहीं न कंबल

ग्वालियर । जेएएच के न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी वार्ड में दर्द से कराहते मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक स्टाफ द्वारा मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। हालात यह हैं कि यहां भर्ती मरीजों को लेटने के लिए एक चादर और ओढ़ने के लिए कंबल तक नहीं दिया जाता है। मरीजों के स्वजन ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि हम जब नर्सों के पास चादर मांगने जाते हैं तो वह हमें यह कहकर भगा देती हैं कि चादर और कंबल है ही नहीं तो आपको दे कहां से। ऐसे में मरीज को फटे गद्दे पर लेटकर इलाज कराना पड़ता है या फिर अपने घरों से चादर लाकर बिस्तर पर बिछाते हैं। इतना ही नहीं एक चादर अगर मिल भी जाए तो चार से पांच दिन तक एक ही चादर पलंग पर बिछा रहता है। जिससे मरीज को संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। बात अगर नियमों की करें तो इस बात का ध्यान अस्पताल प्रबंधन को रखना है कि अस्पताल में बाहर के चादर, बिस्तर आदि उपयोग में न लाए जाएं, लेकिन न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी में हालात यह हैं कि ज्यादातर लोग बाहर से ही चादर, कंबल आदि लाकर उनका उपयोग कर रहे हैं।

जांच के लिए जाना पड़ता है हजार बिस्तर अस्पताल-न्यूरोलाजी वार्ड में भर्ती मरीजों को जांच के लिए भी परेशान होना पड़ता है। रात में अगर कोई मरीज यहां पहुंचता है तो उसे जांच के लिए सैंपल लेकर एक हजार बिस्तर अस्पताल भेजा जाता है। इसके साथ ही अन्य जांच भी वार्ड में नहीं होती। मरीज को जांच के लिए स्वजन को हजार बिस्तर अस्पताल तक ले जाना पड़ता है। इसके बावजूद जिम्मेदार बेहतर व्यवस्था होने का दावा कर पल्ला झाड़ लेते हैं। साथ ही दूसरे की जिम्मेदारी होने की बात कहकर बचने का काम किया जाता है।

यह हैं इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार-न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी विभाग में मरीजों को परेशानी का सामना न करने पड़े और व्यवस्थाएं बेहतर हों इसकी जिम्मेदारी प्रबंधक अनिल मेवाफरोश और सहायक अधीक्षक डा. वीरेंद्र वर्मा की है, लेकिन इसके बाद भी मरीजों को न चादर मिल पा रहे हैं न कंबल। इतना ही नहीं मरीजों और उनके स्वजन को गंदे शौचालयों का भी सामना करना पड़ रहा है। बदबू के कारण मरीजों और स्वजन का बुरा हाल है। इसके बावजूद सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा किया जाता है।

ये बोले तीमारदार-हमने चादर मांगा था परंतु नर्स ने यह कहकर चादर देने से मना कर दिया कि चादर हैं ही नहीं। यही वजह है कि हमें घर से चादर लाकर पलंग पर बिछाना पड़ा और कंबल भी घर से ही लेकर आए हैं, यहां कोई व्यवस्था नहीं है।

महेन्द्र, अटेंडर

हम कल रात में न्यूरोलाजी पहुंचे थे। नर्सों ने कह दिया पलंग देखकर लेट जाओ, न तो चादर दिया और न ही कंबल। जब मांगी तो कह दिया कि चादर-कंबल है ही नहीं। कहां से दे दें।

प्रिंस ठाकुर, अटेंडर

सहायक अधीक्षक, प्रबंधक नियुक्त किए गए ह

जांच में चार झूले अनफिट नहीं दी संचालन की अनुमति

ग्वालियर । व्यापार मेले में गुरुवार को लोक निर्माण विभाग विद्युत यांत्रिकी टीम झूलों की जांच करने पहुंचे। जांच में चार झूले अनफिट मिले। इस कारण उनको संचालन की अनुमति नहीं दी गई। बुधवार को 26 झूलों को संचालन की अनुमति दी गई थी। उल्लेखनीय है कि बीते रविवार रिहाना खान नाव के झूले से गिर गई थी। इसके बाद प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए झूलों की जांच शुरू कराई। पीडब्ल्यूडी और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम लगातार झूलों की जांच कर रही है। जांच में मिली कमियों को दूर कराने के साथ झूलों को संचालन की अनुमति दी जा रही है।

अव्यवस्थाओं को लेकर मेला व्यापारी संघ देगा धरना-ग्वालियर व्यापार मेला शुरू हुए एक माह से ज्यादा का समय बीत चुका है। इसके बावजूद अव्यवस्थाएं दूर नहीं हो सकी है। ऐसे में अव्यवस्थाओं से नाराज मेला व्यापारी संघ शुक्रवार को दोपहर 12 से तीन बजे तक मेला प्राधिकरण के बाहर धरना देगा। कारोबारियों का कहना है कि हम पहले भी कई बार अव्यवस्थाओं को दूर करने के लिए ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन प्राधिकरण के जिम्मेदार अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

मस्जिद के पास हेरोइन बेचने वालों को दस-दस साल का कारावास

ग्वालियर । जिला अदालत के एनडीपीएस न्यायालय ने हेरोइन बचने के आरोप में दोषी पाते हुए डबरा निवासी राजवीर और मुरार निवासी विष्णु को 10-10 साल की जेल और एक-एक लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक धर्मेंद्र शर्मा ने न्यायालय को बताया कि मुरार पुलिस को 22 नवंबर 2022 को मुखबिर से सूचना मिली कि फूटी बैरिक मस्जिद के पास खुले मैदान मुरार में सफेद रंग की स्विफ्ट कार में दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ बेचने के लिए खड़े हैं।सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मुखबिर के बताये अनुसार एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार और उसमें दो लोग संदिग्ध हालत में बैठे दिखे। पुलिस के पहुंचने पर उन्होंने पुलिस फोर्स को देखकर भागने का प्रयास किया, पुलिस ने तत्काल ही घेरकर उन्हें पकड़ लिया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478